रेल मंत्री और जापान के परिवहन मंत्री ने मुंबई अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर का दौरा किया

लोकशक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गुजरात भाजपा के नये अध्यक्ष बने जगदीश पांचाल, पाटिल

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 278 | रायपुर | रविवार 05 अक्टूबर 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर किया आत्मीय स्वागत

लोकशक्ति। रायपुर,

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। विमानतल पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, कृषि मंत्री राम विचार नेताम ,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, महापौर मीनल चौबे, सांसद रूपकुमारी चौधरी, मुख्य सचिव विकास शील, अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, आईजी अमरेश मिश्रा, संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ जगदलपुर प्रवास पर रहेंगे, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में बस्तर दशहरा महोत्सव को संबोधित किया

75 दिनों तक चलने वाला बस्तर दशहरा मेला दुनियाभर का सबसे बड़ा सांस्कृतिक महोत्सव

रायपुर, लोकशक्ति। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में आयोजित बस्तर दशहरा महोत्सव को संबोधित किया। इससे पहले श्री अमित शाह ने प्रसिद्ध दंतेश्वरी मंदिर में दर्शन और पूजन किया। बस्तर दशहरा महोत्सवअवसर में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री डॉ. विजय शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 75 दिनों तक चलने वाला विश्व का सबसे बड़ा और अनूठा बस्तर दशहरा मेला न केवल आदिवासी समाज, बस्तर, छत्तीसगढ़ या भारत बल्कि पूरे विश्व में सबसे बाद सांस्कृतिक महोत्सव है। श्री शाह ने कहा कि आज माँ दंतेश्वरी के दर्शन-पूजन के दौरान उन्होंने प्रार्थना की कि वे हमारे सुरक्षा बलों को शक्ति दें ताकि वे 31 मार्च 2026 तक बस्तर क्षेत्र को लाल आतंक से मुक्त कर सकें। श्री शाह ने कहा कि दिल्ली में कुछ लोग वर्षों तक यह भ्रांति फैलाते रहे कि नक्सलवाद का जन्म विकास की लड़ाई है, जबकि सच यह है कि बस्तर के विकास से वंचित रहने का मूल कारण नक्सलवाद ही है। उन्होंने कहा

कि आज देश के हर गाँव में बिजली, पेयजल, सड़क, हर घर में शौचालय, पाँच लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा और पाँच किलो मुफ्त अनाज के साथ-साथ चावल को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने की व्यवस्था पहुँच चुकी है, लेकिन बस्तर प्रगति की इस दौड़ में पीछे रह गया है।

गृह मंत्री ने कहा कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की ओर से यह आश्वासन देना चाहते हैं कि 31 मार्च, 2026 के बाद नक्सलवादी न तो बस्तर के विकास और न ही बस्तर के लोगों के अधिकारों को रोक पाएंगे। श्री शाह ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के जो बच्चे भटक कर नक्सलवाद से जुड़ गए हैं, वे स्थानीय गांवों के ही हैं। श्री शाह ने बस्तर के लोगों से अपील की कि वे भटके हुए इन बच्चों को हथियार छोड़ कर मुख्यधारा में शामिल होने की बात समझाएं, ताकि वे बस्तर के विकास में सहभागी बनें।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन ने देश की सबसे बेहतर सरेंडर नीति बनाई है। पिछले एक महीने में ही 500 से अधिक लोग सरेंडर कर चुके हैं। उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि वे सरेंडर कर दें। श्री शाह ने कहा कि जिस गाँव में नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा, वहाँ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गाँव के विकास के लिए 1 करोड़ रुपए दिए जाएँगे। श्री शाह ने कहा कि नक्सलवाद से किसी का भला नहीं हुआ है और यह समस्या अब काफी हद तक कम हो चुकी है।

श्री अमित शाह ने कहा कि कि केन्द्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर सहित सभी नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए पूर्णतः समर्पित हैं और इसके लिए आकर्षक नीतियाँ बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए पिछले 10 वर्षों में लगभग 4 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की है। छत्तीसगढ़ का विकास दिन-दूनी,रात-चौगुनी गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग स्थापित हो रहे हैं, शिक्षा के संस्थान बन रहे हैं, और स्वास्थ्य संस्थानों का विकास हो रहा है। साथ ही हमारे लघु उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

गुरु साहिब का पवित्र जोरा पटना साहिब में रखा जाएगा, संगत कर सकेंगे दर्शन : हरदीप

नई दिल्ली ,एजेंसी

गुरु गोबिंद सिंह जी और माता साहिब कौर जी के पवित्र 'जोरे साहिब' को पूरे सम्मान के साथ दिल्ली से पटना साहिब ले जाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज ये जानकारी देते हुए बताया कि जोरे साहिब की यात्रा नगर कीर्तन के साथ होगी और इसकी पूरी रूपरेखा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी और पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी तैयार करेगी। इस मौके पर दोनों प्रबंधन कमेटियों के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और जगजीत सिंह सोही भी मौजूद थे। इस अवसर पद केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि उनके परिवार को पिछले 300 वर्ष होली जोरे साहिब की सेवा करने का मौका मिला। 1947 में बंटवारे के समय जोरे साहिब को यहां लेकर आए। उसके बाद से ये पवित्र धरोहर उनके परिवार के पास थी। बाद में परिवार का बड़ा होने के। आते इसकी जिम्मेदारी उन्हें दी गई तो संगत और सरकार सभी से विचार विमर्श किया गया। गुरु साहिब की इस धरोहर की कार्बन टेस्टिंग भी करवाई गई, जांच रिपोर्ट की टाइमिंग मैच करने की रिपोर्ट आई।

बौद्धिक व सांस्कृतिक रूप से जागृत हुआ भारत का युवा : अनुराग सिंह ठाकुर

एजेंसी पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज आईआईटी मंडी में संस्थान द्वारा आयोजित कुल्हड़ इकोनॉमी थीम पर छात्रों के समक्ष अपने विचारों को रखते हुए कहा कि आईआईटी मंडी के कुल्हड़ इकोनॉमी थीम में Make in India की व हिमाचल की सौंधी सुगंध है। इस से पूर्व श्री अनुराग सिंह ठाकुर का मंडी पहुँचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा हमारी देवभूमि हिमाचल का आईआईटी मंडी संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता के साथ शोध-आधारित शिक्षण, अंतःविषय अनुसंधान और नवीन विचारों के लिए जाना जाता है। IIT Mandi के परिसर का माहौल शैक्षणिक और आध्यात्मिक दोनों ही है । हमारी सनातन व्यवस्था यह कहती भी है शिक्षा में अध्यात्म का संयोग होना चाहिए। आज मुझे यहाँ के छात्रों के बीच आकर अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है और कुल्हड़ इकोनॉमी का मतलब है समाज के bottom line को financially empower करना और उन्हें भारत के इकोनॉमी और उत्पाद का हिस्सा बनाना और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी यही काम कर रहे हैं।

युवाओं के लिए खुला 62,000 करोड़ रुपए का पिटारा, मोदी ने की कौशल और रोजगार की बौछार

नई दिल्ली एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को एक नई दिशा देते हुए ?62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का अनावरण किया। इस महात्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश में कौशल विकास, आधुनिक शिक्षा और रोजगार के अवसरों को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी घोषणा 'पीएम-सेतु' (उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) योजना रही, जो ?60,000 करोड़ के विशाल निवेश वाली एक केंद्र प्रायोजित योजना है। इस योजना के तहत देश भर के 1,000 सरकारी आईटीआई को 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल पर उन्नत किया जाएगा। इससे ये संस्थान उन्नत बुनियादी ढांचे,

आधुनिक ट्रेड, डिजिटल शिक्षण प्रणाली और इनक्यूबेशन जैसी सुविधाओं से लैस होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा, हमारे आईटीआई 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए कार्यशालाएं हैं। आज का यह समारोह भारत में कौशल को दिए जाने वाले महत्व का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने बिहार पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए कई योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' का शुभारंभ किया, जिसके तहत बिहार के पांच लाख स्नातकों को दो वर्षों तक 1,000 का मासिक भत्ता मिलेगा। साथ ही, उन्होंने उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए बिहार में 'जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय' का उद्घाटन किया और बिहटा में एनआईटी पटना के नए परिसर का लोकार्पण भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, पिछले दो दशकों में बिहार सरकार ने 50 लाख युवाओं को रोज़गार से जोड़ा है और पिछले कुछ वर्षों में ही लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

इस समारोह में वर्चुअली शामिल हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत खुशी की बात है। बिहार में युवा आयोग और कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना से युवाओं को बहुत लाभ मिलेगा।

अब हकदारों को ही मिलेगी आर्थिक सहायता, रेखा सरकार का प्रभावी निर्णय

नई दिल्ली एजेंसी। राजधानी में अब उन जरूरतमंदों को ही आर्थिक सहायता मिलेगी, जो वाकई उसके हकदार हैं। रेखा सरकार ने इसके लिए एक प्रभावी और विशेष निर्णय लिया है। सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता पाने वाले लाभार्थियों के वार्षिक सत्यापन को मंजूरी दी है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगभग छह लाख लाभार्थियों को दी जा रही सामाजिक कल्याण योजनाओं की आर्थिक सहायता में पारदर्शिता और दक्षता को और मजबूत करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी सहायता वास्तविक और पात्र व्यक्तियों तक ही पहुंचे। दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने पिछले दिनों इसे मंजूरी प्रदान की थी।

कश्मीर में आतंक की जड़ों पर करारा प्रहार, टीआरएफ सरगना की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर संवाददाता। जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ सुरक्षाबलों ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। श्रीनगर पुलिस ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जिम्मेदार संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' के संस्थापक और कुख्यात आतंकी सज्जाद गुल की तीन मंजिला इमारत को कुर्क कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, इस संपत्ति की कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये आंकी गई है।

यह आलीशान इमारत रोज़ एवेन्यू, एचएमटी इलाके में 15 मरला भूमि पर स्थित थी।

राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, यह संपत्ति आतंकी सज्जाद गुल के पिता गुलाम मोहम्मद शेख के नाम पर दर्ज थी।

पुलिस ने यह कार्रवाई परिमपोरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर की है। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) की धारा 25 के तहत इस संपत्ति को कुर्क किया गया है। यह धारा सुरक्षाबलों को आतंकी गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाली संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार देती है।

संबंधित कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में कुर्की की इस प्रक्रिया को पूरा किया गया। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि सज्जाद गुल लगातार आतंकवाद को बढ़ावा देने, भारत विरोधी दुष्प्रचार करने और सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार के खिलाफ नफरत फैलाने जैसी गतिविधियों में लिप्त रहा है।

देश | **रिपोर्ट में खुलासा**

हमास को पाकिस्तान का खुला समर्थन वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा

इस्लामाबाद , ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकियों को शरण देने वाला पाकिस्तान एक बार फिर वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बनता जा रहा है। अब वह आतंकवादी संगठन हमास को शरण और सहायता देकर, खुद को आतंकवाद विरोधी सहयोगी के रूप में पेश करते हुए दोहरा खेल खेल रहा है। एक विस्तृत रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है।

बांग्लादेश के प्रमुख मीडिया संस्थान 'ब्लिट्ज' की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से दोहरे चरित्र की नीति में माहिर रहा है, एक ओर आतंकवाद के खिलाफ साझेदार होने का दिखावा करता है, वहीं दूसरी ओर गुप्त रूप से जिहादी समूहों को अपने भू-राजनीतिक

उद्देश्यों के लिए पोषित करता है। यह खतरनाक रणनीति अब और घातक चरण में प्रवेश कर रही है, पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) हमास के आतंकियों को गुप्त रूप से प्रशिक्षण दे रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां पश्चिमी देश 7 अक्टूबर 2023 के नरसंहार के बाद हमास को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं पाकिस्तान गाजा-स्थित इस आतंकी संगठन को गुप्त रूप से शरण, संसाधन और सैन्य विशेषज्ञता उपलब्ध करा रहा है। आईएसआई, हमास और पाकिस्तान के राजनीतिक-सैन्य नेतृत्व के बीच यह गठजोड़ न केवल इजरायल और भारत के लिए खतरा है, बल्कि अमेरिका के आतंकवाद-रोधी प्रयासों और वैश्विक सुरक्षा को भी कमजोर करता है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल ही में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की व्हाइट हाउस में मेजबानी के बावजूद, इस्लामाबाद अपने पुराने दोहरे मानदंडों पर कायम है, जो अब खुली धोखाधड़ी के बराबर हैं।

विश्वसनीय खुफिया सूत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि हमास के प्रतिनिधि पाकिस्तान की धरती पर स्वतंत्र रूप से सक्रिय हैं, सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं और स्थानीय जिहादी संगठनों से गठजोड़ कर रहे हैं। उन्हें आईएसआई और पाकिस्तानी सेना की एक विशेष इकाई द्वारा कम से कम दो गुप्त शिविरों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिनमें से एक पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित है। इन कदमों से पश्चिमी देशों की हमास को अलग-थलग करने की कोशिशों को गहरा झटका लगा है और यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या अमेरिका को पाकिस्तान को प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी के रूप में बनाए रखना चाहिए।

जापान में रचा गया इतिहास, साने ताकाइची बनेंगी देश की पहली महिला प्रधानमंत्री

टोक्यो एजेंसी।

जापान के राजनीतिक इतिहास में शनिवार का दिन एक नए अध्याय के रूप में दर्ज हो गया। सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) ने पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को अपना नया नेता चुन लिया है। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही 64 वर्षीय ताकाइची का जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनना तय हो गया है।

प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के 7 सितंबर को इस्तीफा देने के बाद खाली हुए पद के लिए आज शुक्रअध्यक्ष का चुनाव हुआ। इस मुकाबले में कुल पांच उम्मीदवार थे, लेकिन असली टक्कर ताकाइची और कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बीच देखने को मिली। पहले दौर की वोटिंग में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला, जिसके बाद रनऑफ वोटिंग कराई गई। इस निर्णायक दौर में ताकाइची ने पूर्व

प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे शिंजिरो कोइजुमी को हराकर पार्टी की कमान अपने हाथ में ले ली।

साने ताकाइची जापान की एक मुखर और कट्टरपंथी नेता मानी जाती हैं। वह जापान के शांतिवादी संविधान में बदलाव करने, ताइवान के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाने और विवादास्पद यासुकुनी मंदिर में नियमित रूप से जाने की समर्थक रही हैं। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को अगले 10 सालों में दोगुना करने की महत्वाकांक्षी योजना भी पेश की है।

ताकाइची का पीएम बनना भारत के लिए भी अहम माना जा रहा है। वह भारत को एक 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनर' मानती हैं और क्वाड (Quad) एवं इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर जोर देती रही हैं।

अक्टूबर के मध्य में संसद में औपचारिक मतदान के बाद ताकाइची प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगी। पद संभालते ही उन्हें कई बड़ी कूटनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसमें सबसे अहम अक्टूबर के अंत में दक्षिण कोरिया में होने वाले APEC सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होगी, जहां जापान पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव डाला जा सकता है।

एशियाई पड़ोसियों के साथ संबंधों पर विवादित रुख

साने ताकाइची अपने रूढ़िवादी विचारों और द्वितीय विश्व युद्ध की विरासत से जुड़े मुद्दों पर अपने आक्रामक रुख के लिए जानी जाती हैं. उन्होंने कई बार यासुकुनी तीर्थस्थल जाने पर ज़ोर दिया है यह वही स्थान है जहां जापान के युद्ध नायकों की स्मृति में पूजा होती है, लेकिन इसे चीन और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में युद्ध अपराधियों के सम्मान के रूप में देखा जाता है. उनके इस रुख से जापान के पड़ोसी देशों चीन और दक्षिण कोरिया के साथ संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है. विशेषज्ञों का कहना है कि प्रधानमंत्री बनने के बाद ताकाइची को अंतरराष्ट्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए अपने विचारों में कुछ लचीलापन दिखाना होगा, वरना क्षेत्रीय संबंधों पर इसका असर पड़ सकता है.

अब दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवाएं होंगी खत्म, सरकार ने लगाया बैन

वॉशिंगटन एजेंसी।

अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की नई ग्रूमिंग नीति ने सिख, मुस्लिम और यहूदी जैसे धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों में गहरी चिंता पैदा कर दी है। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा जारी हालिया मेमो के तहत सैन्य दाढ़ी रखने की छूट लगभग समाप्त कर दी गई है। इससे धार्मिक आधार पर दाढ़ी रखने वाले सैनिकों की सेवाओं पर संकट मंडरा रहा है। नई नीति के अनुसार सेना 2010 से पहले के मानकों पर लौट रही है, जिसमें दाढ़ी की छूट को सामान्यतः अनुमत नहीं माना गया था। 30 सितंबर को मरीन कॉर्प्स बेस क्वांटिको में 800 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने दाढ़ी को सुपरफिशियल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति करार दिया। उन्होंने कहा, *हमारे पास नॉर्डिक पगानों की सेना नहीं है।* इसके कुछ ही घंटों बाद पेंटागन ने सभी सैन्य शाखाओं को आदेश जारी किया कि 60 दिनों के भीतर धार्मिक छूट सहित अधिकतर दाढ़ी छूट समाप्त कर दी जाए। केवल विशेष बलों को स्थानीय आबादी में घुलमिलने के उद्देश्य से अस्थायी छूट दी जाएगी। 2017 में सेना ने सिख सैनिकों के लिए दाढ़ी और पगड़ी की स्थायी छूट को औपचारिक मान्यता दी थी। इसी तरह मुस्लिम, ऑर्थोडॉक्स यहूदी और नॉर्स पगान सैनिकों को भी धार्मिक आधार पर छूट प्राप्त थी। जुलाई 2025 में चेहरे के बालों की नीति अपडेट करते समय भी धार्मिक छूट को सुरक्षित रखा गया था। लेकिन अब नई नीति इन प्रगतिशील कदमों को उलटते हुए 1981 के सुप्रीम कोर्ट फैसले गोल्डमैन बनाम वेनबर्गर से प्रेरित पुराने सख्त नियमों पर लौट रही है।

विजयादशमी का पर्व हमें अपने अंदर निहित अहंकार को दूर कर सबकी सेवा, सत्कार एवं भाईचारे के लिए प्रेरित करता : भावना

पंडरिया दशहरा उत्सव में शामिल हुईं पंडरिया विधायक भावना बोहरा, कहा श्रीराम जी के आदर्श हमें अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देते हैं

कवर्धा। पंडरिया,माँ महामाया दुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में दशहरा के उपलक्ष्य में पीएमश्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय मैदान में दशहरा उत्सव का भव्य आयोजन किया किया। आयोजन में पंडरिया विधायक भावना बोहरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और सभी को विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं दी तथा इस भव्य आयोजन के लिए आयोजन समिति तथा नगरवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका सीमा कौशिक द्वारा भक्तिमय भजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती दी गई जिसमें हजारों की संख्या में नगर व क्षेत्रवासी उपस्थित रहें और अधर्म पर धर्म व असत्य पर सत्य की जीत के इस महापर्व को भव्य रूप से मनाया। भावना बोहरा ने भी संबोधित करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी और कहा कि श्रीराम जी के आदर्श हमें अपने कर्तव्यों के निर्वहन की प्रेरणा देते हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें अपने अंदर निहित अहंकार को दूर कर सबकी सेवा,सत्कार एवं भाईचारे के लिए प्रेरित करता है। आज प्रभु श्रीराम जी के आदर्शों और उनके मार्गों का अनुसरण करके हम पंडरिया विधानसभा की सुख-समृद्धि एवं नगरवासियों की खुशहाली के लिए निरतर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहें हैं वहीं विकास कार्यों और अधोसंरचन निर्माण जैसे कार्यों से पंडरिया विधानसभा को विकासशील से विकसित पंडरिया की ओर अग्रसर करने हर संभव प्रयास कर रहें हैं। कांग्रेस के शासन में 5 वर्षों तक हमारा पंडरिया विधानसभा उपेक्षित रहा, विकास कार्यों के नाम पर केवल भ्रष्टाचार हुआ, काम के बदले कमीशन का खेल खुलेआम चला, जनता की सुविधाओं को दरकिनार किया गया लेकिन जनता ने भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाकर सुशासन का सूर्योदय किया जिसका प्रत्यक्ष परिणाम आज जनता के सामने है। अन्धकार से उजाले की ओर हमारा पंडरिया विधानसभा अग्रसर हुआ हैं जहाँ विकास कार्यों और जनता की सुविधाओं, जनहित की योजनाओं ने इसे समृद्ध बनाया है।

उन्होंने आगे कहा कि विजयादशमी का पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यों का प्रतीक है। दशहरा, जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव है। यह वह दिन है जब प्रभु श्रीराम ने रावण का वध कर धर्म, सत्य और न्याय की स्थापना की थी। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य और धर्म की राह पर चलते हुए, चाहे कितनी भी विपत्तियाँ आएँ, अंत में विजय सत्य की ही होती है। रावण, जो विद्या, शक्ति और वैभव में अतुलनीय था, अपने अहंकार और अधर्म के कारण परास्त हुआ। यह पर्व हमें आत्ममंथन का अवसर देता है कि हम अपने जीवन में उन बुराइयों, जैसे लालच, क्रोध, अहंकार का अंत करें और प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपनाएँ। दशहरा केवल धार्मिक उत्सव तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक उत्साह का प्रतीक भी है।

गांधी जयंती पर ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा का हुआ आयोजन

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत ग्राम कार्य पुस्तिका तथा विजन प्लान 2030 का प्रस्तुतिकरण एवं अनुमोदन

राजनांदगांव । राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर सेवा पखवाड़ा के तहत जिले के विभिन्न ग्राम स्वच्छता अभियान चलाकर चौक-चौराहों की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत चयनित ग्राम पंचायतों में आदि सेवा पर्व शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत भवन में संचालित आदि सेवा केन्द्र के माध्यम से अनुसूचित जनजाति वर्ग के शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने आवेदन लिया गया तथा ग्राम सभा में प्राप्त आवेदनों का पात्रतानुसार निराकरण किया गया। जिसमें आदि कर्मयोगी अभियान के तहत ग्राम कार्य पुस्तिका तथा विजन प्लान 2030 का प्रस्तुतिकरण एवं अनुमोदन किया गया।

ग्राम सभा में ग्राम पंचायतों के विगत तिमाही के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, पिछली वर्ष में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्य के नाम, प्राप्त राशि, स्वीकृत राशि, व्यय राशि एवं कार्य की अद्यतन की स्थिति का वाचन किया गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजनांतर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रामीण परिवारों द्वारा रोजगार की मांग तथा उपलब्ध कराये गये रोजगार की स्थिति की समीक्षा की गई। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत किये जाने वाले संपूर्ण कार्यों की सूची का वाचन किया गया।

सिंदूर खेल सुहागिन महिलाओं ने दुर्गा मां को दी विदाई, जमकर किया धुनुची डांस

बंगाली समाज ने मनाया सिंदूर उत्सव

कांकेर । पूरे परलकोट क्षेत्र में बंगाली समाज की ओर से विजयदशमी का पर्व मनाया गया। इस दौरान सुहागिन महिलाओं ने सिंदूर बोरोन की परंपरा निभाई। पांच दिनों तक दुर्गा मां की आराधना करने के बाद विजयादशमी को कापसी में बंगाली समाज की सुहागिन महिलाओं ने सिंदूर बोरोन की परंपरा निभाई। गुरुवार को मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित करने से पहले बंगाली समाज ने सिंदूर खेला या सिंदूर उत्सव मनाया। महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर दुर्गा माता से परिवार की सुख, समृद्धि और पति की लंबी उम्र की कामना की। सभी सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को पान के पत्ते से सिंदूर चढ़ाया। साथ ही मां दुर्गा को पान और मिठाई भी खिलाई। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर जश्न मनाया और विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान महिलाओं ने जमकर पारंपरिक डांस किया। माना जाता है कि जब मां दुर्गा मायके से विदा होती हैं, तो सिंदूर से उनकी मांग भरी जाती है। इसके साथ ही कई महिलाएं एक दूसरे के चेहरे पर सिंदूर लगाते हुए नजर आई। यह उत्सव होली के पर्व जैसा लगा। इसके ज़रिए महिलाएं कामना करती हैं कि एक-दूसरे की शादीशुदा जिंदगी सुखद और सौभाग्यशाली रहे।

दुर्गा उत्सव के दौरान एक विशेष तरह का डांस किया जाता है, जिसे धुनुची डांस का कहा जाता है। इस डांस में एक विशेष तरह के मिट्टी के पात्र में सूखे नारियल के छिलकों को जलाकर माता की आरती की जाती है। आरती के वक्त इस धुनुची डांस में कई तरह के करतब भी दिखाए जाते हैं। वैसे तो पांचों दिन यह डांस किया जाता है लेकिन आखरी दिन खासतौर पर किया जाता है।

जुआरियों से जुए के फड़ से 4700/- रूपये किया गया जप्त

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर अमरेश मिश्रा एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट को जुआ/सट्टा खेलने एवं खिलाने वालों की पतासाजी कर कार्यवाही करने एवं इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट की टीम द्वारा मुखबीर लगाकर, पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर इस संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है।* इसी तारतम्य में दिनांक 02.10.2025 दशहरा के मध्य रात्रि को थाना खमतराई पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि रावांभाठा जय अम्बे ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नम्बर 05 के बाजू बिजली के खम्बे के लाईट के नीचे कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे है, कि सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना खमतराई पुलिस टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही व घेराबंदी कर 06 जुआरियों को पकड़ा गया जो अपना नाम प्रकाश कुशवाहा, आशुतोष दुबे, सोनू राय, मोह जावेद, शहबाज अली, जयनाथ सिंह बताये जुआरियों के कब्जे से नगदी रकम 4700/एवं 52 पत्ती ताश जप्त किया गया। जुआरियों के विरूद्ध थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 1082/25 धारा 3(2) छ.ग. जुआ (प्रतिषेध) अधि. 2022 पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

आरएसएस ने मनाया शताब्दी वर्ष, चार स्थानों पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

जगदलपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जगदलपुर शहर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा शहर के चार प्रमुख क्षेत्रों में पथ संचलन एवं विजया दशमी उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजया दशमी के दिन की गई थी। आरएसएस अपने सौ वर्ष पूर्ण कर चुका है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सौ रूपये का सिक्का जारी किया गया है। पीजी कॉलेज मैदान पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व धर्म आदिवासी समाज के अध्यक्ष एवं बस्तर प्रकृति बचाओ समिति के संयोजक दशरथ कश्यप ने की। संघ के मध्य भारत सह क्षेत्र प्रचारक प्रेम शंकर मुख्य वक्ता थे।सभाजीत वर्मा कार्यक्रम के संचालक रहे। कृषि उपज मंडी के कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ थे। उपनगर हाट कचोरा में पथ संचालन के आयोजन में मुख्य अतिथि रहे डॉ . सुमंत शर्मा और मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक अभय राम। उप नगर सिटी ग्राउंड जगदलपुर के कार्यक्रम में कार्यवाह तरुण राठी व मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते थे। जगदलपुर के चारों उपनगरों के शारीरिक कार्य प्रमुख सुदर्शन दास के नेतृत्व में तेज वर्षा व भारी ट्रैफिक के बावजूद गरिमामयी रूप से पथ संचलन पूर्ण किया गया। संघ शताब्दी वर्ष के इस आयोजन में शहर के प्रबुद्ध जन व नागरिक उपस्थित रहे।

कल लगेगा मुरिया दरबार, मंत्री कश्यप ने किया स्थल निरीक्षण

जगदलपुर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 अक्टूबर को के जगदलपुर प्रवास पर आ रहे हैं। उनके प्रवास लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री केदार कश्यप के साथ महापौर संजय पांडे, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर दशहरा के तहत आयोजित होने वाले मुरिया दरबार में शामिल होंगे। यह बस्तर की प्राचीन परंपरा है। मुरिया दरबार में गायता, पुजारी, सिरहा, मांझी, पटेल आदि अपनी समस्याएं रखते हैं और दरबार के मुखिया उनका समाधान करते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए साबित हो रही वरदान

सूर्यघर योजना से गिरधर देवांगन का घर बना मिनी पावरहाऊस

सूर्यघर योजना से शून्य हुआ बिजली बिल, उपभोक्ता बने ऊर्जा उत्पादक

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। राजनांदगांव शहर के गौरी नगर निवासी गिरधर लाल देवांगन इसका जीवंत उदाहरण हैं। गिरधर देवांगन बताते हैं कि उन्हें जब समाचार पत्र के माध्यम से इस योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत इस योजना के तहत आवेदन कर अपने घर की छत पर 5.5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया। इस पर कुल लागत 3 लाख 40 हजार रूपए आयी। योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से उन्हें 78000 रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है, वहीं राज्य शासन की ओर से 30 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी मिलने वाली है। इस प्रकार लगभग 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी से सोलर सिस्टम की वास्तविक लागत आधी हो जाएगी।

गिरधर देवांगन ने बताया कि सोलर सिस्टम लगने के बाद पहले ही महीने से सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। उनके घर की मासिक औसत बिजली खपत लगभग 510 यूनिट है, जबकि सोलर पैनल से पहले महीने में 615 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। यह उनकी खपत से 105 यूनिट अधिक है। अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जमा हो रही है, जिसका उपयोग आवश्यकता पडऩे पर किया जा सकता है। उन्होंने के कहा आगामी 4 से 5 वर्षों में ही सोलर पैनल की लागत निकल जाएगी जबकि सोलर पैनल 20-25 साल तक काम करता है, जिससे वर्षों तक मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि पहले हम सिर्फबिजली खर्च करते थे, अब हम बिजली का उत्पादन भी कर रहे हैं। यह योजना हमारे लिए सचमुच वरदान साबित हुई है। उन्होंने बताया कि अब उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है। इस बची हुए राशि को वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और अन्य घरेलू आवश्यकताओं में खर्च कर पा रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के रूप में सौर ऊर्जा के उपयोग से कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे सीमित संसाधनों पर निर्भरता कम होती साथ ही प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए गिरधर देवांगन ने नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर बिजली खर्च में बचत करने और देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

अवैध शराब बिक्री करने हेतु महाराष्ट्र राज्य निर्मित शराब मंगाने वाले फरार आरोपी गिरफ्तार

राजनादगांव। पुलिस अधीक्षक महोदय मोहित गर्ग, अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा व एसडीओपी महोदय डोंगरगढ़ श्री आशीष कुंजाम के दिशा-निर्देश में थाना प्रभारी उपेन्द्र कुमार शाह द्वारा अपने थाना क्षेत्र में अपने टीम के साथ थाना क्षेत्र में अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों, शराब कोचियों, अवैध शराब बिक्री/तस्करी, सटोरियों, संदिग्ध व्यक्तियों, पॉकेटमार, चाकुबाज एवं अन्य अड्डाबाजी, असमाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। 19 अगस्त को जरिये मुखबीर सूचना मिली थी की एक व्यक्ति अवैध रूप से महाराष्ट्र निर्मित देशी शराब को 02 काले रंग के बैग में भरकर साल्हेकसा से टेऊन में बैठकर डोंगरगढ़ ला रहे हैं कि सूचना पर डोंगरगढ़ पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये पुराना रेलवे फाटक के आगे मेला ग्राउण्ड के सामने घेराबंदी कर आरोपी राहुल नंदेश्वर पिता स्व0 अगनु नंदेश्वर उम्र- 22 साल निवासी दंतेश्वरी पारा वार्ड न0- 02 डोंगरगढ़ को पकड़कर आरोपी से दो बैग में रखे प्लास्टिक पौवा 90 एमएल वाला कुल- 230 नग पौवा मात्रा- 20.700 बल्क लीटर किमती- 9200/-रू0 को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा-413/2025 धारा- 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को दिनांक-19.08.2025 को गिर0 कर मान0 न्यायालय में पेश कर ज्युडिशियल रिमाण्ड में जेल भेजा गया है। प्रकरण के विवेचना दौरान आरोपी राहुल नंदेश्वर से पुछताछ करने पर पता चला था कि महाराष्ट्र से शराब को रॉकी जामूलकर पिता स्व0 बाला राम जामूलकर उम्र- 31 साल निवासी दंतेश्वरी पारा वार्ड न0-

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती पर स्काउट्स-गाइड्स रोवर रेंजर्स द्वारा चलाया गया स्वच्छता अभियान

राजनांदगांव, अक्टूबर (आरएनएस)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर तथा जिला वार्षिक कार्यक्रम के तहत भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा जिला स्काउट्स-गाइड भवन राजनांदगांव में संगोष्ठी, स्वच्छता कार्य, आत्मसुरक्षा, सर्वधर्म प्रार्थना का आयोजन किया गया। राज्य उपाध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राजेन्द्र गोलछा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री द्वारा देश के लिए किए गए कार्यों में बारे में बताया। उन्होंने महापुरुषों के त्याग एवं बलिदान उनके व्यक्तित्व के माध्यम से नई पीढ़ी को प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित सर्वप्रथम की भावना को जागृत किया। उन्होंने सभी को विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और स्काउट गाइड रोवर रेंजर के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में विष्णु प्रसाद साव ने गाइड रेंजर को विषम परिस्थितियों हेतु आत्मसुरक्षा के गुर बताए। विभिन्न विद्यालयों के स्काउट्स-गाइर्ड रोवर रेंजरों ने परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष उमेश हथेल, जिला उपाध्यक्ष विष्णु प्रसाद साव, जिला मुख्य आयुक्त महेश खंडेलवाल, आजीवन सदस्य विजय टेम्भूरकर, जिला सचिव देवेंद्र अम्बादे, जिला संगठन आयुक्त स्काउट मयूख श्रीवास्तव, सचिव विकासखण्ड राजनांदगांव प्रवीण साव, स्काउट मास्टर मनीष सोनी सहित स्काउट्स-गाइड्स रोवर रेंजर्स उपस्थित थे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती पर ग्रामों में चलाया गया स्वच्छता अभियानः राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर जिले के विभिन्न ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ श्रमदान कर ग्राम के विभिन्न स्थलों की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। साथ ही रैली निकालकर ग्राम को स्वच्छ के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने स्वच्छता की शपथ ली तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया।

कार्यक्रम में सरपंच, सचिव, गणमान्य नागरिकों ने महात्मा गांधी के स्वच्छता और राष्ट्र के प्रति उनके विचारों के संबंध में जानकारी दी। गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए घर-घर से कचरा संग्रहण करने, उसका पृथक्करण करने वाले स्वच्छाग्राही समूह सदस्यों को उनके योगदान के लिए श्रीफल, सुरक्षा किट, साड़ी सहित अन्य सामग्री भेंट कर सम्मानित किया गया। ग्रामीणों से गीला एवं सूखा कचरा अलग रखने, उसका सुरक्षित निपटान कर अलग-अलग देने, निर्धारित समय में स्वच्छता शुल्क देने का आग्रह किया गया। ग्राम स्तर पर स्वच्छता ही सेवा थीम पर गीत, नाटक, मेहंदी, चित्रकला,रंगोली सहित अन्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया।

दंतेवाड़ा में महिला के साथ दुष्कर्म और निर्मम हत्या, कुंदेली गांव में सनसनी

दंतेवाड़ा । छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली एक जघन्य घटना सामने आई है। कुंदेली गांव के पास सीआरपीएफ कैंप के निकट एक महिला के साथ पहले सामूहिक दुष्कर्म किया गया और फिर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई। यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है और इससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई है, वहीं ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। जानकारी के अनुसार, मृतिका नवरात्रि के दौरान भांसी के मासापारा देवी मंदिर में रहकर पूजा-अर्चना कर रही थी। दशहरे के मौके पर वह अपने गांव कुंदेली लौट रही थी। इसी बीच, कुछ अज्ञात दरिंदों ने उसे जबरन उठाकर जंगल में ले जाकर इस बर्बर वारदात को अंजाम दिया। दुष्कर्म के बाद महिला को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची और जंगल से महिला का शव बरामद किया। शव पर मिले गहरे खरोंच के निशान ङ्क विशेष रूप से पीठ पर ङ्क इस बात की ओर इशारा करते हैं कि आरोपियों ने महिला को जबरदस्ती जंगल में घसीटा था। घटनास्थल से महिला का मोबाइल फोन भी मिला है, जो फ्लाइट मोड पर था।

राजनीतिक दलों और ग्रामीणों का कड़ा विरोध

इस हृदय विदारक घटना पर सीपीआई (ष्टक्कष्ठ) ने कड़ा विरोध जताया है। सीपीआई के जिला सचिव और जिला पंचायत सदस्य जीतेन्द्र सोरी ने कहा कि बस्तर में ऐसी वारदातें पहले नहीं होती थीं, लेकिन हाल के दिनों में इस तरह की बर्बरताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो सीपीआई उग्र आंदोलन करेगी।

स्थानीय ग्रामीणों ने भी सुरक्षा बलों की मौजूदगी के बावजूद ऐसी घटना होने को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच करने और सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

अवैध मदिरा परिवहन, निर्माण एवं विक्रय पर आबकारी विभाग की कार्यवाही

तीन आरोपी गिरफ्तार, 23.64 बल्क लीटर शराब एवं 90 किलो महुआ लाहन जब्त

रायपुर,

सचिव सह आबकारी आयुक्त सुश्री आर. संगीता एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश तथा प्रभारी उपायुक्त आबकारी रायपुर श्री राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग रायपुर द्वारा कल 2 अक्टूबर ड्राई-डे पर अवैध मदिरा परिवहन, निर्माण एवं विक्रय के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

प्राप्त सूचना के आधार पर तिल्दा-नेवरा क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रूप से परिवहन की जा रही 49 नग पाव (8.84 बल्क लीटर) देशी मदिरा मसाला बरामद की गई। मौके पर आरोपी सुनिल निषाद को एक दुपहिया वाहन सहित गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। यह कार्रवाई तिल्दा वृत प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक सुश्री मेधा मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई, जिसमें आबकारी आरक्षक दिगंबर भूरा का विशेष सहयोग रहा।

इसी क्रम में आरंग के ग्राम चिखली में सुबह 5 बजे मुखबिर के सूचना के आधार पर आबकारी विभाग ने दबिश दी। मौके पर अवैध रूप से हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब का विक्रय कर रही दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई के दौरान 14.8 बल्क लीटर हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब एवं 90 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की गैरजमानतीय धारा 34(1)(च), 34(2) एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचक प्रीति कुशवाहा द्वारा जेल दाखिल किया गया। इस कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक सुश्री नीलम स्वर्णकार एवं आबकारी आरक्षक श्री विवेक श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

ऑनलाइन सट्टा मामलों में छत्तीसगढ़ देश में शीर्ष पर, एनसीआरबी रिपोर्ट के बाद सियासी बयानबाज़ी तेज

रायपुर। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (ह्यष्टत्रक्क) की हालिया रिपोर्ट 2023 में एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाज़ी के मामलों में छत्तीसगढ़ देशभर में पहले स्थान पर आ गया है। राज्य में 52 मामले दर्ज किए गए, जो अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक हैं। इस रिपोर्ट के जारी होते ही राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है और सत्ताधारी व विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। भाजपा नेता और प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन सट्टा का फैलाव भूपेश बघेल की सरकार के समय शुरू हुआ था। कांग्रेस सरकार के समय इस अवैध गतिविधि की जड़ें मजबूत हुईं, लेकिन भाजपा सरकार ने आते ही इस पर सख्ती से कार्रवाई शुरू कर दी है। बहुत जल्द ये ग्राफ नीचे आएगा। वहीं, भाजपा के इन आरोपों पर कांग्रेस नेता विनोद तिवारी ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि, ऑनलाइन सट्टा एप केंद्र सरकार के नियंत्रण में है, जिसे रोकने की जिम्मेदारी भी केंद्र की ही है। भूपेश सरकार के कार्यकाल में 600 से ज्यादा लोगों पर कार्रवाई की गई थी और स्वयं तत्कालीन मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस कारोबार को बंद कराने की मांग भी की थी। विनोद तिवारी ने आगे कहा कि, अगर केंद्र सरकार चाहती तो इन एप्स को बंद कर सकती थी, लेकिन आज भी ये कारोबार खुलेआम चल रहा है। सवाल ये उठता है कि केंद्र सरकार इस अवैध सट्टा से कमाई क्यों कर रही है। गौरतलब है कि ह्यष्टत्रक्क की रिपोर्ट में दर्ज मामलों के आधार पर छत्तीसगढ़ का नाम देश में सबसे ऊपर आने से एक बार फिर राज्य की कानून व्यवस्था और साइबर अपराधों को लेकर सरकारों की भूमिका पर बहस छिड़ गई है।

केंद्रीय जेल रायपुर में हुआ रक्त दान शिविर का आयोजन, डीजी जेल श्री हिमांशु गुप्ता ने किया शुभारंभ

लगेगी 3 से 8 अक्टूबर तक जेल उत्पादों की प्रदर्शनी*

रायपुर, राज्य शासन के निर्देशानुसार जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा 3 से 10 अक्टूबर 2025 तक छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। रजत जयंती महोत्सव का शुभारंभ आज केंद्रीय जेल रायपुर में रक्तदान शिविर से किया गया। शिविर के शुभारंभ अवसर पर डीजी जेल श्री हिमांशु गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य की प्रगति में जेल विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार स्वेच्छा से रक्तदान अवश्य करना चाहिए। रक्तदान शिविर में श्री हिमांशु गुप्ता (डीजी, जेल), श्री योगेश सिंह क्षत्री (जेल अधीक्षक) सहित कुल 28 व्यक्तियों ने रक्तदान किया। इनमें जेल विभाग के 22 कर्मी एवं छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के 4 कर्मी शामिल हुए।

रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत राज्य के पांचों केंद्रीय जेलों – रायपुर, दुर्ग, जगदलपुर, बिलासपुर एवं अंबिकापुर में जेल उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। यहां आम नागरिक इन उत्पादों को किफायती दरों पर खरीद सकते हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य की सभी 33 जेलों में रक्तदान शिविरों के साथ ही निरूद्ध बंदियों के लिए विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

धार्मिक स्थलों का विकास केवल भवन निर्माण नहीं होता, बल्कि यह भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है

समस्त देमार ग्रामवासियों के जनसहयोग से निर्मित होगा माता मंदिर में ज्योति कक्ष भवन, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना साहू ने किया भूमिपूजन

धमतरी। ग्राम देमार में जनसहयोग की मिसाल कायम करते हुए ग्रामवासियों ने एक अत्यंत पुण्य कार्य का बीड़ा उठाया है। स्थानीय माता मंदिर परिसर में 'ज्योति कक्ष भवन' का निर्माण ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग से किया जाएगा। इस नवनिर्माण का भूमिपूजन भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा क्षेत्र की धमतरी पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू के करकमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुई। भूमिपूजन समारोह में श्रद्धा और उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला, ग्राम देमार की जनता ने यह संकल्प लिया है कि मंदिर परिसर में बनने वाला यह ज्योति कक्ष भवन पूरी तरह से जनसहयोग से निर्मित किया जाएगा। इसके लिए ग्राम के प्रबुद्ध नागरिक, युवा वर्ग, महिलाएं और वरिष्ठजन एकजुट होकर कार्य में जुटे हैं। यथासंभव आर्थिक सहयोग एकत्रित किया जा रहा है। भूमिपूजन के उपरांत अपने उद्बोधन में श्रीमती रंजना साहू ने ग्रामवासियों की सराहना करते हुए कहा कि देमार ग्रामवासियों द्वारा जनसहयोग से किया जा रहा यह प्रयास वास्तव में अनुकरणीय है, धार्मिक स्थलों का विकास केवल भवन निर्माण नहीं होता, बल्कि यह भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक होता है। इस प्रकार के प्रयास समाज को जोड़ने का कार्य करता है, उन्होंने आगे कहा कि भारतीय संस्कृति में 'लोक सहयोग' की भावना सदियों से रही है, और आज भी जब ग्रामवासी स्वेच्छा से अपने समय, श्रम और धन का उपयोग करते हैं, तो ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायी बनते हैं।

भूमिपूजन कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत सदस्य दमयंती साहू, शीत कुमार साहू, मण्डल महामंत्री राकेश साहू, बसंत मीनपाल, संजय साहू, स्थानीय जनपद सदस्य, ग्राम पंचायत सरपंच शीतल मीनपाल, क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और ग्राम के वरिष्ठ नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एकमत होकर इस कार्य को सफल बनाने का संकल्प लिए। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं और युवाओं ने भाग लिया। देमार ग्रामवासियों का यह सामूहिक प्रयास न केवल धार्मिक भावना का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक एकता और सहयोग की मिसाल भी है।

राजधानी में 19 हजार से अधिक फर्जी राशन कार्डों का खुलासा

रायपुर राशन कार्डों का बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। इसमें रायपुर राजधानी 19,574 फर्जी राशन कार्ड के साथ पहले और दुर्ग 18,112 के साथ दूसरे नंबर पर है। वन नेशन वन राशन कार्ड योजना के तहत तैयार आंकड़ों की जांच में पता चला कि 46 लाख से अधिक सदस्य संदिग्ध हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे परिवारों की है, जिन्होंने डुप्लीकेट आधार कार्ड, मृत व्यक्तियों के नाम और फर्जी दस्तावेजों से राशन कार्ड में सदस्य जोड़ रखे थे। खाद्य विभाग की ओर से शुरू किए गए भौतिक सत्यापन अभियान में अब तक 1 लाख 93 हजार 67 फर्जी सदस्य चिन्हांकित कर उनके नाम काट दिए गए हैं। विभाग का मानना है कि यह कार्रवाई राशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने और फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बेहद अहम है। रायपुर में सबसे ज्यादा में 19,574 फर्जी सदस्य उजागर हुए हैं। दुर्ग में 18,112, जांजगीर-चांपा में 17,529, राजनांदगांव में 17,327 और कोरबा में 16,064 भी गड़बड़ी वाले शीर्ष जिलों में शामिल हैं।

रथ परिक्रमा पथ पर अंडरग्राउंड वायरिंग का कार्य तेज, 5.19 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण

रायपुर,संवाददाता। / विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा अपनी अनूठी परंपराओं और 75 दिनों तक चलने वाले भव्य उत्सव के लिए जाना जाता है। इस वर्ष उत्सव को और अधिक सुरक्षित तथा व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक अहम पहल की गई है। रथ परिक्रमा मार्ग पर अंडरग्राउंड वायरिंग का कार्य तेजी से जारी है। लगभग 5 करोड़ 19 लाख रुपए की लागत से हो रही यह परियोजना दशहरा समिति की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करती है, जिसे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर मंजूरी मिली है।

बस्तर दशहरा समिति लंबे समय से परिक्रमा मार्ग पर ऊपर लटके विद्युत तारों को हटाकर अंडरग्राउंड वायरिंग की मांग कर रही थी। ऊपरी तारों की वजह से रथ परिक्रमा के दौरान तार टूटने, शॉर्ट सर्किट और बरसात में बाधा जैसी समस्याएं आती थीं। इससे न केवल रथ संचालन प्रभावित होता था, बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर भी खतरा मंडराता था। समिति ने कई बार प्रशासन से इस पर

ठोस कदम उठाने की अपील की थी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की प्राथमिकता मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बस्तर दशहरा की सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव को प्राथमिकता दी। उनके निर्देश पर परियोजना को हरी झंडी मिली और तेजी से कार्य शुरू हुआ। श्री साय ने कहा कि यह पहल न केवल उत्सव की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी बल्कि बस्तर के बुनियादी ढांचे और पर्यटन को भी नई मजबूती देगी। स्थानीय जनता और दशहरा समिति ने इस निर्णय का स्वागत किया है।

फूल रथ परिक्रमा पथ पूर्ण, मुख्य मार्ग पर तेजी से कार्य विद्युत विभाग के अनुसार, फूल रथ परिक्रमा पथ पर अंडरग्राउंड वायरिंग का काम पूरा कर लिया गया है। अब मुख्य रथ परिक्रमा मार्ग पर तेजी से कार्य चल रहा है। इसके पूरा होने के बाद ऊपरी तारों से जुड़ी सभी बाधाएं पूरी तरह समाप्त हो जाएंगी और रथ संचालन निर्बाध और सुरक्षित हो सकेगा।

विजय रथ परिक्रमा के लिए विशेष इंतजाम बस्तर दशहरा का सबसे बड़ा आकर्षण विजय रथ परिक्रमा है, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन को देखते हुए विद्युत कम्पनी ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। रथ मार्ग से जुड़े सभी विद्युत पोल, तार और अन्य संभावित बाधाओं की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि कार्य को तय समय-सीमा में पूरा करने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही हैं।

सुरक्षा के साथ शहर का सौंदर्य भी बढ़ेगा

यह परियोजना केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि शहर की सुंदरता को भी नया रूप देगी। ऊपरी तारों और खंभों की अनुपस्थिति से रथ मार्ग और आसपास का क्षेत्र अधिक आकर्षक व व्यवस्थित दिखाई देगा। साथ ही, बिजली आपूर्ति भी और स्थिर होगी। दशहरा समिति के सदस्यों ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय की इस पहल ने जनता को एक बड़ा तोहफा दिया है और यह परियोजना उत्सव की गरिमा को नई ऊंचाई तक ले जाएगी।

रायपुर में कारोबारी से डेढ़ करोड़ की चांदी की लूट

संवाददाता

रायपुर में UP के कारोबारी से डेढ़ करोड़ की चांदी की लूट हुई है। ये तस्वीर सराफा कारोबारी के फ्लैट की है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शनिवार सुबह 4 बजे के करीब 1 करोड़ 50 लाख की चांदी की लूट हुई है। लुटेरों ने सराफा कारोबारी की कनपटी पर गन टिकाकर 86 किलो चांदी लूटकर भाग गए। वारदात के बाद CCTV कैमरे का ह्यष्टङ्कत्र भी ले गए। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का जानकारी के मुताबिक सराफा कारोबारी का नाम राहुल गोयल है, जो क्रके आगरा के रहने वाले हैं। लुटेरों ने कारोबारी को दवा सुंघाकर बेहोश कर दिया था। इसके बाद वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि बदमाश पहले से कारोबारी और जेवरों के बारे में जानते थे।

सराफा कारोबारी राहुल गोयल के फ्लैट की तस्वीर है। लुटेरों ने यहीं वारदात को अंजाम दिया। सराफा कारोबारी राहुल गोयल के फ्लैट की तस्वीर है। लुटेरों ने यहीं वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद सिविल लाइन पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, शनिवार सुबह 2 नकाबपोश बदमाश गन लेकर सदर बाजार के जैन मंदिर के पीछे स्थित राजधानी पैलेस पहुंचे। यहां किराए के फ्लैट में रह रहे सराफा कारोबारी राहुल गोयल के दरवाजे को खटखटाया।राहुल गोयल ने जैसे ही दरवाजा खोला लुटेरों ने कनपटी पर गन टिका दिया। इसके बाद लुटेरों ने कारोबारी को दवा सुंघाकर बेहोश कर दिया। कारोबारी के हाथ-पैर भी भी बांध दिए, फिर घर में रखे चांदी के जेवरों को लेकर भाग गए। जाते-जाते सीसीटीवी कैमरे का ह्यष्टङ्कभी ले गए।कारोबारी को शनिवार सुबह 11 बजे के करीब होश आया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

ये तस्वीर कारोबारी के घर के पीछे के हिस्से की है। यहीं से लुटेरे भागे हैं। ये तस्वीर कारोबारी के घर के पीछे के हिस्से की है। यहीं से लुटेरे भागे हैं।

आगरा से आकर रायपुर में जेवर बेचते थे राहुल गोयल सर्राफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया कि राहुल गोयल आगरा के रहने वाले हैं। यहां किराए के फ्लैट में रहते हैं। सदर बाजार में जेवरात बेचते हैं। बदमाशों ने गन प्वाइंट पर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। इससे सराफा कारोबारियों में डर का माहौल है।

बस्तर दशहरा में पहुंची माईजी की डोली का भव्य स्वागत, हुई मावली परघाव रस्म

हुआ दो देवियों का मिलन, साक्षी बने हजारों लोग

जगदलपुर । विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व की एक और अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म मावली परघाव बुधवार रात को पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ अदा की गई। यह रस्म दो देवियों के मिलन के रूप में जाना जाता है, जिसे जगदलपुर के दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण और कुटरूबाड़ा के समीप पारंपरिक रीति-रिवाजों से निभाया गया। इस ऐतिहासिक रस्म को देखने के लिए हर साल की तरह इस बार भी रात को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा।

माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव की अगुवाई में किए गए मावली परघाव के अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव, महापौर संजय पांडे, कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस., पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा उपस्थित रहे। दंतेवाड़ा से मावली माता की डोली के साथ पुजारी, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक गौरव राय भी जगदलपुर पहुंचे। परंपरा के अनुसार, दंतेवाड़ा से मावली देवी की छत्र डोली और दंतेश्वरी के छत्र जगदलपुर के दंतेश्वरी मंदिर लाए गए। दंतेवाड़ा से पहुंची माईजी की डोली और छत्र का भव्य स्वागत राज परिवार सदस्य कमलचंद भंजदेव और समस्त बस्तरवासियों ने किया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी और फूलों की बारिश की गई, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। माईजी की डोली के स्वागत की इस अनूठी परंपरा को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी पहुंचे थे।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

पाकिस्तान में आतंकवादियों के प्रशिक्षण गाह का हो खात्मा

व्यापार समझौतों को ढाल बना कर दोनों मुल्कों के दरम्यान दशकों से चले आ रहे सीमा विवाद और पाकिस्तान में आतंकवादियों के प्रशिक्षण गाह को खत्म करने के बहाने ट्रंप बिल्लयों के झगड़े में बंदर बनने की उतावली में नजर आ रहे हैं जो भारत को किसी कीमत पर स्वीकार्य नहीं। सहिष्णुता बरतने का यह मतलब नहीं है कि हम कड़े कदम उठाने से हिचकते हैं। भारत अपनी शक्ति और स्थिति से अब किसी तरह का समझौता करने को राजी नहीं। हास्यास्पद होने व विभिन्न विद्वानों द्वारा संदेह व्यक्त किए जाने के बावजूद ट्रंप व उनके चापलूस करीबी दुनिया में जारी युद्धों को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित करने में कोताही नहीं कर रहे। भारत विभिन्न मौकों में स्पष्ट कर चुका है कि कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। अब जब अमेरिका की तरफ से टेरिफ वॉर चालू है, किसी अधिकारी द्वारा दबंगई न करने का स्पष्टीकरण देना रणनीति का हिस्सा होसकता है।

मानव देवत्व को पाए।

नील गगन की चुप्पी गहरी,
मन की पीड़ा मोती ठहरी।
अश्रु बने जब दीपक प्यारे,
जीवन के उजियारे सारे।

मौन धरा से स्वर उठता है,
दुःख में भी विश्वास मिलता है।
करुणा का सागर साथ रहेगा,
हर आँसू में विश्वास जागेगा ।

वेदना गाती गीता प्यारी,
पीड़ा देती राह हमारी
अंधकार में ज्योति दिखाए,
मानव देवत्व को पाए।

धरती बोले, नभ दोहराए,
संसार यह गीत सुनाए
क्षणभंगुर तन, अमर है प्राण
जीवन का संदेश महान।

आज गगन में दीप जला
लोक में फिर आलोक सजा
क्यों देते हम अंधियारे को दोष
तमस में प्रकाश-आलोक सजा।

- संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

वृद्ध बोझ नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में घोषित किया है। इस दिवस का उद्देश्य वृद्धों के अधिकारों, उनकी गरिमा और उनके योगदान को रेखांकित करना है। यह दिन हमें यह सोचने को विवश करता है कि जीवन के इस अंतिम पड़ाव में, जिसे कभी सम्मान और अनुभव का प्रतीक माना जाता था, आज वह उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का पर्याय क्यों बन गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वर्ष 2030 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग पूरी दुनिया में 1.4 अरब से अधिक हो जाएंगे और 2050 तक यह संख्या दोगुनी होकर लगभग 2.1 अरब तक पहुँच जाएगी। विकसित देशों में वृद्धजन आबादी का चौथाई हिस्सा बन चुके हैं, वहीं विकासशील देशों में भी उनकी संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। लेकिन विडंबना यह है कि इस बढ़ती जनसंख्या के साथ उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी की चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में वृद्धजन पेंशन और हेल्थकेयर से तो सुरक्षित हैं, परंतु वहाँ अकेलेपन और मानसिक अवसाद की समस्या विकराल है। एशिया और अफ्रीका में, जहां परिवार व्यवस्था मजबूत मानी जाती थी, अब संयुक्त परिवार टूटने से वृद्धजन आर्थिक व सामाजिक असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की शुरुआत 1991 में हुई थी और इसका उद्देश्य बढ़ती उम्र की आबादी के अवसरों और चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा वृद्धजनों के अधिकारों और योगदान को पहचानना है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस पर वृद्धजनों को समर्थन देने वाली प्रणालियों को मज़बूत करने का आह्वान किया जाता है और उनके मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एकीकृत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जाता है। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान को मान्यता देना, उनके अधिकारों की रक्षा करना, वृद्धजनों को स्वास्थ्य सेवाएं, देखभाल, सामाजिक सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मज़बूत करना, वृद्धजनों को वैश्विक विकास प्रयासों में शामिल करना और शहरी वातावरण को उनके लिए अधिक समावेशी बनाना आदि इस दिवस को मनाने के उद्देश्य हैं। इस दिवस को मनाते हुए वृद्ध व्यक्तियों की डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक समान पहुँच प्रदान करने के महत्व पर जोर देना और यह सुनिश्चित करना कि सभी आयु वर्गों के लिए समानता को बढ़ावा दिया जाए और वृद्ध व्यक्तियों के मानवाधिकारों का पालन हो आदि बातों पर विशेष बल दिया जाता है।

इस दिवस की 2025 की थीम 'समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज़ को सशक्त बनाना' है, जो वृद्धजनों की आवाज़, अनुभव और ज्ञान को पहचानने तथा उनके अनुभवों के आधार पर समावेशी समाजों के निर्माण पर जोर देती है। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि वृद्धजन लचीले और समतामूलक समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्नत एवं आदर्श समाज के निर्माण में वृद्धजनों की आवाज़, उनके दृष्टिकोण और अनुभव को विशेष महत्व है। वृद्धावस्था में कठिनाइयां अनेक रूपों में सामने आती हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से हृदय रोग, मधुमेह, जोड़ों के दर्द और डिमेंशिया जैसी बीमारियाँ उन्हें घेरे रहती हैं, परंतु चिकित्सा सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित है। आर्थिक दृष्टि से पेंशन व सामाजिक सुरक्षा योजनाएं हर वृद्धजन तक नहीं पहुँचतीं और ग्रामीण क्षेत्रों में यह स्थिति और भी दयनीय है। सामाजिक स्तर पर आधुनिक जीवन की दौड़ में वृद्धजन अकेलेपन, उदासी और उपेक्षा से पीड़ित हैं। मानसिक दृष्टि से आत्मसम्मान को ठेस, भूमिका से वंचित होना और बेकारपन का एहसास उन्हें भीतर तक तोड़ देता है।

भारत में वृद्धों की स्थिति अधिक चिन्ताजनक है। जबकि वृद्धजन भारतीय समाज की धरोहर मानी जाती रही हैं, उन्हें अनुभव और ज्ञान का भंडार मानते हैं। इसके बावजूद यदि हम उन्हें उपेक्षित करेंगे तो यह केवल अन्याय ही नहीं, बल्कि सभ्यता एवं संस्कृति की पराजय होगी। वृद्धजन केवल जीवित बोझ नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं। उनका सम्मान करना न केवल हमारा नैतिक कर्तव्य है बल्कि एक बेहतर, संवेदनशील और संतुलित समाज के निर्माण की अनिवार्यता है। भारत जैसे विकसित देश के नागरिकों की औसत आयु 60 वर्ष से अधिक 65 हो रही है। जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण देश में वृद्धजन की संख्या बढ़ रही है, देश में 2011 में 10.38 करोड़ वरिष्ठ नागरिक थे, जिनके 2050 तक बढ़कर 30 करोड़ होने का अनुमान है। अनुमान है, कि 2050 तक हर चौथा भारतीय बुजुर्ग होगा। यह बात भारत के नीति आयोग ने कही है, इसी के कारण बुजुर्गों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में परंपरागत भारतीय परिवार व्यवस्था में वृद्धजनों को सम्मान, सुरक्षा और निर्णय लेने की अहम भूमिका प्राप्त थी। लेकिन आज शहरीकरण, परमाणु परिवार, प्रवास और उपभोक्तावादी सोच ने उनकी भूमिका को हाशिए पर पहुँचा दिया है। परिवार के भीतर उन्हें आर्थिक बोझ समझा जाने लगा है, पीढ़ीगत टकराव और मूल्यों में बदलाव ने दूरी बढ़ा दी है, नौकरी-पेशा बच्चों के व्यस्त जीवन में धैर्य और देखभाल की कमी स्पष्ट हो रही है और संपत्ति तथा अधिकारों को लेकर तनाव आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप वृद्धजन शारीरिक बीमारियों से जूझते हैं, पर पर्याप्त चिकित्सा नहीं मिलती। वे अकेलेपन और मानसिक अवसाद का शिकार होते हैं, उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाता है और कभी-कभी घरेलू हिंसा और संपत्ति विवादों में भी उलझना पड़ता है।

प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है।

इन समस्याओं का समाधान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए परिवार, समाज और सरकार-सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास की आवश्यकता है। परिवार व्यवस्था का पुनर्जीवन जरूरी है, बच्चों में बचपन से ही सेवा, सहानुभूति और सम्मान की भावना विकसित की जाए। सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार हो, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और वृद्धाश्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं में जेरियाट्रिक देखभाल को प्राथमिकता दी जाए, प्रत्येक नगर और गाँव में वृद्धजन के लिए स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हों। मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए, अकेलेपन से लड़ने के लिए सामुदायिक केंद्र, क्लब और वृद्धजन मंच सक्रिय किए जाएँ। वृद्धजनों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उन्हें सामाजिक और पारिवारिक संवाद में सक्रिय बनाया जाए। माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम 2007 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए और समाज में उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाई जाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब नया भारत, विकसित भारत और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है, तब यह आवश्यक है कि इस विकास यात्रा में वृद्धजन उपेक्षित न हों बल्कि उन्हें इसका सक्रिय भागीदार बनाया जाए। न्यूनतम पेंशन की गारंटी दे और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ हर वरिष्ठ नागरिक तक पहुंचाए। साथ ही ÷डिजिटल इंडिया÷ और ÷स्किल इंडिया÷ जैसी योजनाओं से वृद्धजनों को जोड़ा जाए ताकि वे सामाजिक संवाद और आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय बने रहें। वृद्धाश्रमों और डे-केयर सेंटर्स की गुणवत्ता और संख्या बढ़ाई जाए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए काउंसलिंग केंद्र स्थापित हों और ÷सेवा भाव÷ को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय अभियान चलाए जाएँ। जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, तब उसके अनुभव-संपन्न वृद्धजन राष्ट्र की अमूल्य पूंजी हैं, इसलिए मोदी सरकार को उनके लिए संवेदनशील और समग्र कल्याणकारी नीतियां लागू करनी चाहिए।

यह निजी विचार है।

जिंदगी मझधार में

- सुरेश सिंह बैस शाश्वत

बस पूरी रफ्तार से दौड़ी चली रही थी, बस के अंदर बैठे मेरे विचारों की रफ्तार भी ठीक उसी रफ्तार से तेज दौड़ रही थी। मेरे विचारों में उमड़ घुमड़कर विचारों का रेला चल रहा था। मुझे परिवार की ओर से एक अति महत्वपूर्ण कार्य के लिए अंबिकापुर भेजा जा रहा था। जो बड़ी बहन के वैवाहिक रिश्ते से संबंधित था। उस कार्य का पूरा दारोमदार मेरे वहां जाने के बाद और वहां की पूरी परिस्थितियों को देखने समझने के बाद, मेरी जो भी जानकारी होती फिर उस पर मेरी जो भी राय होती उस पर आगे का निर्णय परिवार द्वारा लिया जाना था?। और यही वह कारण था जिसके लिए मैं कहीं ना कहीं चिंतित और विचारों के रेलों में पड़ गया था।

मन में सोच विचार चल रहा था कि मेरे ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और इस जिम्मेदारी पर सही और खरा उतर पाऊंगा या नहीं..? फिर दूसरी चिंता की वजह यह भी थी कि मैं इतनी दूर अंबिकापुर पहली बार जा रहा था तो स्वाभाविक है मुझे अंबिकापुर शहर के कोई जानकारी नहीं होने से वहाँ घर खोजने की चिंता और वे सब लोग मुझसे कैसे पेश आएंगे उनका घर भी मुझे आसानी से मिल पाएगा कि नहीं? बस इन्ही ख्यालों में दिमाग उलझा हुआ था।

यह सन 1988 के 5 जुलाई का दिन था। मैं आज ही सुबह भोर की छह बजे वाली गायत्री बस सर्विस में बैठकर अंबिकापुर के लिए निकला हुआ था। अभी रतनपुर ही पहुंचा था। यह बस उन दिनों रतनपुर कटघोरा मोरगा उदयपुर लखनपुर होते हुए अंबिकापुर पहुंचती थी। वैसे भी उन दिनों जर्जर, उबड़ खाबड़ सड़क होने से बसें बिलासपुर से अंबिकापुर पहुंचने में काफी समय लेतीं थी। इसलिए सफर में देर हो जाया करती थी। उन दिनों दो सौ चालीस किमी का सफर पूरा तय करने में आमतौर पर बसों को करीब आठ घंटे लगते थे। हालांकि उन दिनों इस सड़क की दूरी अधिक भी थी। अब यही सड़क हाईवे रोड बन जाने से केवल इसकी दूरी केवल दो सौ बाईस किमी ही रह गई है।

करीब साढ़े तीन घंटे में बस कटघोरा बस स्टैंड पर पहुंच गई, फिर वहां से दस मिनट बाद बस छूट कर आगे गंतव्य की ओर बढ़ रही थी । कटघोरा से करीब साठ कि मी आगे पहुंचने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश की एक प्रमुख नदी हसदेव नदी के पार जाने के लिए हमारी बस पुल के पास जब पहुंची, तब हम सभी यात्रियों ने देखा कि कुछेक बसों के आलावा अन्य वाहन भी साइड में कतारों में लगे हुए हैं। हमारी बस के ड्राइवर? ने भी वाहनों की कतारें और किसी अन्य वाहन को आगे न जाते देखकर बस को सड़क के किनारे लगा दिया।

हम सभी यात्रीगण कौतूहल से खिड़कियों से झांकने लगे। नीचे सड़क पर लोगों की भीड़ लगी हुई थी। ड्राइवर कंडेक्टर के उतरने के बाद बस से हम सब यात्री भी धीरे-धीरे कर नीचे उतर गए। मैं भी सभी यात्रियों के साथ नीचे उतर गया। हम सभी ने देखा कि थोड़े आगे नदी पर पुल के किनारे का बिलकुल थोड़ा सा ही हिस्सा दिख रहा था ,जिससे यह समझ में आ रहा था कि यही पूल है, जिसमें से बस को आगे बढ़ना था। हम जहां खड़े थे वह एक पहाड़ नुमा पठार के ऊपर था, वंही उसके सिरे से लगकर नदी पारकर पुल उस पार तक जा रहा था। हम लोगों ने आगे पीछे दोनों नदी के दोनों ओर देखा चारों तरफ घने जंगल दिखाई दे रहे थे। दूर-दूर तक कोई बस्तियाँ भी नहीं थी। हसदेव नदी का पाट काफी चौड़ा और फैला हुआ था। सभी यात्रियों के साथ मैं पैदल ही धीरे-धीरे नदी किनारे की तरफ जब पहुंचा तो देखता क्या हूं की नदी भयंकर रूप से बढ़ी हुई है।

पुल से करीब बीस फीट ऊपर तक पानी तेज लहरों के साथ बह रहा था। बताया गया की नदी खतरे के निशान से काफी ऊपर तक बह रही थी। नदी विकराल रूप से बही जा रही थी। नदी का पानी भी चाय नुमा लाल कत्थई रंग का था। लहरों के साथ बहती हुई दिख रही थी सूखी पेड़ों की लकडियों में जहरीले सांप बिच्छू लिपटे हुए भी दिखाई दे रहे थे। कोई कोई जानवर भी बहते दिखाई दे रहे थे। कुल मिलाकर नदी का ये विकराल रूप देखकर हम सभी यात्री थोड़ा सहम गए। विकराल रूप से बढ़ी हुई नदी पर पुल भी पूरी तरह से डूब चुका है तो अब हम आगे की यात्रा कैसे कर पाएंगे। इसी पर सब यात्रीगण चर्चा करने लगे। इस पार से हमने नदी उस पार देखा तो उधर भी दो-चार बसें और कुछ अन्य वाहन किनारे पर लगी हुई दिख रही थीं।

हम सभी यात्री फिर ड्राइवर और कंडक्टर के पास पहुंच गए ड्राइवर और कंडक्टर ने हम लोगों से कहा कि आप लोग थोड़ी देर रुकिए हम लोग आगे की क्या व्यवस्था हो रही है, उस हिसाब से फिर आगे कैसे जाना है तय करेंगे। यह सुनकर हम सभी यात्री वहीं आसपास पेड़ों के छांव में आसपास जहां भी बैठने की जगह मिली वही चट्टानों के ऊपर बैठ गए। इस बीच ऐसा हुआ कि इंतजार करते हुए तीन घंटे बीत गए। सभी यात्री अब तक उकता भी गए थे। अभी भी आगे जाने की कोई खबर नहीं थी। तब हम सब ने ड्राइवर के पास जाकर पूछ कि आप क्या कर रहे हैं ? क्या करना है बस आगे जाएगी की नहीं। यह सुनकर ड्राइवर कंडक्टर ने बताया कि प्रशासन ने छोटे-छोटे नाव मंगवा लिए हैं, जिस पर बैठकर के आप लोग नदी पार करेंगे। फिर उस पार लगे हुए बस से बैठकर आगे अंबिकापुर तक जाने की व्यवस्था हो गई है। यात्रियों ने यह सुना तो अधिकांश यात्रियों ने विकराल रूप से बढ़ी हुई नदी और उछाल मारती लहरों को देखकर डर गए। जो बाल बच्चेदार व महिलाओं के साथ थे, ऐसे यात्री पूरी बस मे आधे से ज्यादा की संख्या में थे। इन लोगों ने नाव में बैठकर नदी पार करने से इनकार कर दिया।इन सभी को नाव में बैठ कर जाने में संभावित दुर्घटना का डर एवं खतरनाक लग रहा था।

मैंने भी देखा नाव आकार में बहुत छोटी थी जो मुश्किल से आठ दस फीट लंबी और चार फीट की चौड़ी थी। दो आदमी नाविक थे, एक आदमी पतवार लेकर खेते हुए उस पार ले जाने के लिए बैठा हुआ था। ऐसे ही तीन-चार नावें लगी हुई थी। बस कंडक्टर ने कहा जो यात्रीगण आगे नहीं जाना चाहतें हैं वे फिर से बस में बैठ जाएं। आप लोगों को बस वापस जहां चाहेंगे वहां उतार देगी। और जो यात्री आगे जाना चाहते हैं तो उन्हें नदी पार करने के बाद उस पार की लगी हुई हमारी ही कंपनी की बस पर बैठना होगा । फिर बस उन्हें अंबिकापुर तक लेकर जाएगी।

जिस बस से बैठकर जब मैं आया था तो बस पूरी तरह से भरी हुई थी, लेकिन नाव में बैठकर उस पार जाने के लिए मुश्किल से मेरे सहित पंद्रह यात्रियों ने हामी भरी थी। बाकी यात्रियों ने डर के कारण आगे नहीं जाने का फैसला ले लिया। हालांकि मुझे भी नाव में बैठने से डर तो महसूस हो रहा था। लेकिन मैं एक अच्छा तैराक भी था और फिर मैं अकेला भी था। मेरे पास सिर्फएक बैग था। मैंने मन ही मन यह सोच लिया था कि नाव में बैठूंगा अगर नदी पार करते समय नाव पलटी या कोई दुर्घटना घटी तो बैग फेंक के सीधे पानी में कूद कर जैसे भी हो तैर कर किनारे तो लग जाऊंगा। यही हिम्मत करते हुए मैं भी पंद्रह यात्रियों के साथ नाव में बैठकर आगे जाने के लिए तैयार हो गया।

फिर हम एक नाव में बैठ गए जिसमें केवल बारह आदमी बैठ पा रहे थे,और नाव पूरी तरह भर गई थी। नाव जब पूरी तरह भरी तो वो पानी में समा कर किनारे से केवल पांच इंच ही पानी के ऊपर दिख रही थी। नाव का बाकी हिस्सा पानी के अंदर था। नाव को ऐसे देखकर डर भी हो रहा था कि नाव थोड़ी सी भी टेढ़ी हुई की नाव में पानी भर जाएगा। फिर भी सभी ने भगवान का नाम लेकर नाव में उस पार जाने की तैयार हो गए। नाव वाले ने फिर धीरे-धीरे कर नाव को खेना शुरू किया। अब नाव तेज बहाव और लहरों के बीच पानी पर धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगी। नाव उस पार की ओर जाने लगी। लहरों में बीच-बीच में पेड़ों के झुरमुट बहते हुए आ रहे थे। जिसे नाव वाला पतवार से साइड लगाते जा रहा था। जब जब भी पेड़ों के झुरमुट सीधे नाव के ही करीब आते तो नाव वाला पतवार से उन्हें किनारे हटाने लगता। यही वह समय होता था जब नाव तेजी से डगमगाने लगती, और कभी इस इस साइड से तो कभी उस साइड से नाव पानी में डूबती डूबती सी दिखाई देने लगती थी। और यही वह पल होता जब हम सभी को सांप सूंघ जाता। नाव पार करते-करते लगता था नाव में अब पानी भरा की तब पानी भरा।

लहरों के जोर और पेड़ों को झुरमुट के बहते आने के कारण नाव भी दोनों तरफ से डगमगाने लगती, जिससे लगता था कि नाव अब डूबी तब डूबी। बैठे हुए यात्री भी खामोश और सकपकाए हुए थे। इस बीच मैं भी कुछ आशंकित लेकिन दृढ़ संकल्पित होकर खामोश सा बैठा बलखाती तेज लहरों के साथ बार-बार नदी के उस पार देखता जा रहा था कि अब और कितनी दूर बचा रह गया है। मैं भी किसी आकस्मिक दुर्घटना के लिए बिल्कुल तैयार बैठा हुआ था, कि अगर जैसे ही कहीं नाव डुबने को होगी। तभी बैग को फेंककर सीधे नदी में कूद जाऊंगा। और तैरते हुए नदी के पार निकलने का प्रयास करूंगा। तो किसी भी अनहोनी के लिए मै पूरी तरह सतर्क बैठा हुआ था। दोनों नाविक भी आहिस्ता आहिस्ता नाव को खेते हुए नदी उस पार की ओर ले जा रहे थे।जैसे-जैसे नाव नदी बीच लहरों पर आ रही थी, वैसे-वैसे उछाल मारती लहरों का भयंकर रूप मे तेज बहने का वेग भी उसी रफ्तार से बढ़ रहा था।

हमारी नाव डगमगाती हिचकोले खाती हुई लहरों को काटते बाढ़ तो रही थी मगर हमारे दिल के धड़कन बढ़ते जा रही थी। अब ऐसा हुआ कि यह मुसीबत तो सामने ही थी लेकिन एक और नई मुसीबत आ जाने से मन और भयभीत हो गया जैसे ही हम नदी के बीच लहरों पर पहुंचे ही थे की आसमान से मूसलाधार पानी बरसने लगा। और ये बरसता पानी नाव में सवार सभी लोगों के लिए काफी खतरनाक रूप ले सकता था। जिसके कारण नाव के डूबने के खतरे और बढ़ चुके थे।यह देखकर सभी यात्रियों सहित नाव खेवईया भी चिंतित होकर आसमान की ओर देखने लगे।जहाँ आसमान में काले-काले बादल छाए हुए थे और पानी तेजी से बरसना शुरू हो गया। नाव में बैठे हुए सभी लोगों के हाथ पांव फूल चूके थे। अब तो अनहोनी की आशंका काफी बढ़ चली थी, क्योंकि बरसते पानी के कारण नाव के अंदर भी तेजी से पानी भरने लगा था। तब फूर्ति से एक नाविक ने नाव के अंदर छोटे से रखे हुए डिब्बे से पानी को बाहर उलिचने लगा।

एक नाविक लगातार पतवार चला रहा था और एक नाविक नाव के अंदर के पानी को बाहर फेंक रहा था। नदी का रूप अब काफी भयंकर और डरावना हो चला था। नदी का किनारा यहां से बहुत चौड़ा नजर आ रहा था। चूंकि हम नदी के करीब करीब बीच के स्थान पर पहुंच चुके थे,अब तो चारों तरफ अथाह पानी ही पानी वह भी उछाल मारती लहरों के कारण जिसका शोर अंदर तक डरा रहा था। ऐसे ही डर और भयभरे क्षणों के बीच एक नई मुसीबत सामने आ गई, जब अचानक पानी में बहता हुआ एक सर्प नाविक के पवार में फंस गया वो पतवार में ही लिपटकर आगे चढ़ने लगा। यह देख नाविक ने तत्काल पतवार को झटका दिया उस झटके में नाग सांप सीधे आकर मेरी गोद में रखे बैग के ऊपर गिर गया। यह देख नाव के अंदर खलबली सी मच गई। और नाव बुरी तरह से डगमगाने लग गई। ऐसे ही घबराहट में कहीं नाव ना डूब जाए नाविक ने सबको शांत रहने को कहा। वह तो गनीमत थी कि सांप लस्त पस्त था, इसलिए उसने फन नहीं उठाया। फिर मैंने धीरे से बैग को उठाकर बहते आ रहे लकडियों पर उसे फेंक दिया। तब सभी की जान में जान आई।

बड़ा ही रोमांचक और भयानक मंजर था। कुल मिलाकर भगवान का नाम लेते-लेते और जैसे तैसेक्ष सबने नाव का सफर पूरा किया। लेकिन नाव पार करने के दरमियान का सफर इतना लंबा प्रतीत हो रहा था जैसे कई घंटे से हम नाव में चल रहे हैं। लग रहा था जैसे नदी का किनारा और दूर होता चला जा रहा है। अंततः जैसे तैसे हम नाव से नदी पार करके दूसरे किनारे तक सही सलामत पहुंच ही गए।

आप सभी को यह बता दूं कि मेरे जीवन की ये बड़ी रोमांचक और डरावनी यात्रा थी। नाव को नदी पार करने में करीब डेढ़ घंटे लग गए। नदी का पाठ चौड़ा था ऊपर से नाव काफी धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थी। नविको का कहना था तेजी से नदी को पार करने में नाव डूबने का खतरा बढ़ जाता। और फिर बीच-बीच में पेड़ व झुरमुट जिसमें सांप बिच्छू जहरीले जीव जंतु भी लिपटे हुए थे। इन सब से बचकर आगे बढ़ना था वंही नाव छोटी होने के कारण भी पानी में डूबने का खतरा बना हुआ था। ऊपर से यह इलाका दूर-दूर तक घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा हुआ था ऊपर से मूसलाधार बारिश के कारण स्थिति पूरी तरह खतरनाक हो चली थी। यही कारण था कि दोनों तरफ घने जंगल और बियाबान होने के कारण डर स्वाभाविक रूप से बना हुआ था। ये हाल सभी यात्रियों का था, लेकिन भगवान की बहुत बड़ी कृपा थी कि हम सभी सही सही सलामत नाव से नदी को पार कर गए।

नदी पार करने के बाद सभी यात्रियों की जान में जान आई और सभी ने राहत की सांस ली। फिर हम सब एक साथ गायत्री बस जो अंबिकापुर से चलकर यहां तक पहुंची थी। उसे खोजते हुए पहुंचे। बस में ड्राइवर कंडक्टर ने कहा आप लोग गायत्री बस का टिकट दिखाइए और बैठ जाइए। फिर हम लोगों ने अपने-अपने टिकट दिखाए और उसी बस में बैठ गए। ड्राइवर फिर हम सभी यात्रियों को अंबिकापुर की सफर की ओर ले चला।अंबिकापुर की दूरी इस जगह से करीब सौ किलोमीटर से अधिक थी। बस फिर हम सबको आखिर अंबिकापुर तक पहुंचा ही दी। अंबिकापुर बस स्टैंड में पहुंचने तक रात्रि के दस चुके थे। अलसुबह छह बजे से चले चले हम सभी यात्री रात को दस बजे अंबिकापुर पहुंच पाए थे। यानी की कुल मिलाकर सोलह घंटे का सफर हो गया। जो सफर आठ घंटे में हो जाना था वह सोलह घंटे में पूरा हुआ। इस बीच में ऐसा हुआ की कोई भी यात्री सुबह से कुछ खाया पिया नहीं था सभी भूखे प्यासे थे, लेकिन यह सफर इतना रोमांचक था खास करके नाव में बैठकर नदी पार करने का सफर की सबकी भूख प्यास छूमंतर हो चुकी थी।

बस यही बहुत बड़ी खैरियत थी कि सब की जान बची तो लाखों पाए। अंबिकापुर पहुंचकर सबकी जान में जान आई। खतरनाक सफर इतने उतार-चढ़ाव के बीच कुशलता पूर्वक पूरा हुआ था इससे बढ़कर और क्या बात हो सकती थी, भूख प्यास तो एक किनारे थी। बस स्टैंड में उतरकर हम सब यात्रियों ने एक दूसरे की कुशल छेम पूछी और विदा लेते हुए कुशलता की कामना कर सभी अपने अपने गंतव्य की ओर चल पड़े।

यह निजी विचार है।

राष्ट्रव्यापी फीडबैक सत्रों में प्राप्त विचारों को मत्स्य पालन और जलीय कृषि नीति निर्माण में शामिल किया जाएगा

पीआईबी

मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य पालन विभाग (डीओएफ) द्वारा अप्रैल से सितंबर 2025 तक आयोजित वर्चुअल चर्चा की एक राष्ट्रव्यापी श्रृंखला में 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 15,000 से अधिक मछुआरों और मछली पालकों ने भाग लिया। डीओएफके सचिव डॉ अभिलक्ष लिखी के नेतृत्व में इस पहल से हितधारकों को अपनी चिंताओं और अपेक्षाओं को व्यक्त करने का अवसर मिला। मछुआरों, मछली पालकों, मत्स्य संघों, सहकारी समितियों, मछली पालक उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ), स्टार्टअप्स, डीओएफ के अधीनस्थ कार्यालयों, आईसीएआर के संस्थानों, राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड के साथ-साथ राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के मत्स्य विभागों ने 2 अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक छह महीने से अधिक की अवधि में गहन चर्चा के लिए इन सत्रों में भाग लिया। इन चर्चा सत्रों में तटीय, अंतर्देशीय, पहाड़ी, द्वीपीय और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों सहित देश भर के लगभग प्रत?येक जिले के प्रतिनिधि शामिल हुए। इन चर्चा सत्रों से न केवल वर्तमान चुनौतियों की पहचान करने में मदद मिली बल्कि मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र के लिए भविष्य के लिए योजना बनाने, बुनियादी ढांचे के विकास की योजना बनाने और लक्षित कल्याणकारी उपायों के लिए विचार भी प्राप?त हुए। मछुआरों और मछली पालकों ने अपनी चुनौतियों को साझा करते हुए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई), प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई), मत्स्य पालन और जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफआईडीएफ), समूह दुर्घटना बीमा योजना (जीएआईएस), नीली क्रांति और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं के तहत सरकार से प्राप्त सहयोग की सराहना की।

हितधारकों से महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया

मछुआरों और मछली पालकों ने चर्चा के दौरान गुणवत्तापूर्ण मछली बीज, ब्रूड बैंक, किफायती चारा और स्थानीय चारा मिलों के महत्व पर ज़ोर दिया। हितधारकों ने परिवहन, केज कल्चर, मिनी हैचरी, आइस बॉक्स, पॉली शीट, कोल्ड स्टोरेज जैसी सुविधाओं को और मज़बूत करने और सौर ऊर्जा के एकीकरण सहित जलीय कृषि को सहयोग देने की आवश्यकता भी बताई। इसके अतिरिक्त, हितधारकों ने नवीन प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों जैसे कि बाज़ार पहुंच बढ़ाने के लिए जीवित मछलियों के परिवहन हेतु ड्रोन, मछुआरों की सुरक्षा के लिए उपग्रह अनुप्रयोग और संभावित मत्स्य पालन क्षेत्र संबंधी सलाह को अपनाने पर भी ज़ोर दिया। चर्चा के दौरान, मछुआरों ने अपने मछली पकड़ने वाले जहाजों में निःशुल्क ट्रांसपोंडर लगाने की सरकार की पहल की सराहना की। ये ट्रांसपोंडर उन्हें संभावित मछली पालन क्षेत्र (पीएफज़ेड) संबंधी सलाह, मौसम संबंधी चेतावनियां और चक्रवात संबंधी अपडेट समय पर प्रदान करने और उन्हें सुरक्षित मार्गों पर ले जाने में सहायक साबित हुए हैं। मछुआरों ने यह भी बताया कि ये ट्रांसपोंडर अनजाने में अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने से बचने के लिए चेतावनियां प्रदान करने में सहायक हैं।

प्रतिभागियों ने विपणन के क्षेत्र में मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ाने और मूल्य में सुधार के लिए समर्पित मछली बाजारों, कियोस्क और आधुनिक मछली प्रसंस्करण संयंत्रों को मजबूत करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) जैसी प्रमुख योजना को समुद्री शैवाल की खेती, सजावटी मछली पालन और मोती की खेती जैसी गतिविधियों के माध्यम से वैकल्पिक आजीविका के लिए समर्थन को और मज़बूत करना चाहिए। तकनीकी जानकारी, कृषि प्रबंधन प्रणालियों और रोग नियंत्रण उपायों में सुधार के लिए नियमित क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, हितधारकों ने जल गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशालाओं की सुविधा प्रदान करके जलीय स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली और रोग नियंत्रण के महत्व के बारे में भी बताया।

मोबाइल-आधारित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रारूप ने प्रतिभागियों को अपने घर बैठे ही वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे जुड़ने में सक्षम बनाया। इन सुझावों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. अभिलक्ष लिखी ने कहा कि इन फीडबैक सत्रों ने मछुआरों, मछली पालकों और नीति निर्माताओं के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का निर्माण किया है। उन्होंने कहा, ÷प्राप्त विचार हमारे नीति निर्माण में मार्गदर्शन करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि इस क्षेत्र का विकास मछली पालन विभाग के 5 वर्षीय रोडमैप और विकसित भारत 2047 के विज़न के अनुरूप समावेशी, टिकाऊ और किसान-केंद्रित बना रहे।÷

मछली पालन क्षेत्र के बारे में मछली पालन क्षेत्र, जिसे 'उभरता क्षेत्र' माना जाता है, देश में लगभग 3 करोड़ लोगों, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले और कमजोर मछुआरों और मछली पालकों की आजीविका को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। भारत विश?व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक है। भारत का वैश्विक मछली उत्पादन में 8त्न का योगदान है और वैश्विक स्तर पर जलीय कृषि उत्पादन में भी दूसरे स्थान पर है। 2015 में लक्षित नीतियों के बाद से, भारत सरकार ने विभिन्न योजनाओं में 38,572 करोड़ रुपये के संचयी निवेश को मंजूरी दी है या घोषणा की है। परिणामस्वरूप, कुल मछली उत्पादन बढ़कर 195 लाख टन हो गया है। इस क्षेत्र में 8.74त्न की दर से वार्षिक वृद्धि हो रही है। 2023-24 में समुद्री खाद्य निर्यात भी बढ़कर 60,524 करोड़ रुपये हो गया है। देश भर में 34 मत्स्य उत्पादन एवं प्रसंस्करण क्लस्टरों की अधिसूचना के साथ, विभाग अब प्रजाति-विशिष्ट क्लस्टरों के गठन की दिशा में आगे बढ़ रहा है जिसका उद्देश्य नवीनतम तकनीकों का लाभ उठाने के लिए प्रजाति-विशिष्ट मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ बनाना है। इस क्लस्टर-आधारित दृष्टिकोण का उद्देश्य एफएफपीओ और सहकारी समितियों के गठन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, मछली की घरेलू खपत को बढ़ावा देना, निर्यात को बढ़ावा देना और हाशिए पर पड़े मछुआरों और मछली पालकों को आजीविका सहायता सुनिश्चित करना भी है।

दूरसंचार विभाग ने स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान का समापन किया

विशेष अभियान 5.0 के कार्यान्वयन चरण का शुभारंभ

पीआईबी

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 17.09.2025 से 02.10.2025 तक ÷स्वच्छता ही सेवा 2025÷ अभियान ÷स्वच्छोत्सव÷ विषय के साथ मनाया। इस अभियान ने देश भर में स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) की सफाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वच्छता और सफाई अभियानों के लिए बड़े पैमाने पर लोगों की भागीदारी को सुगम बनाया। इस अभियान में दूरसंचार विभाग मुख्यालय, संबद्ध कार्यालयों, अधीनस्थ कार्यालयों, क्षेत्रीय इकाइयों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों के अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

देश भर में दूरसंचार विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में वॉकथॉन, पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं, वृक्षारोपण, स्वच्छता प्रतिज्ञा, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें स्वच्छता, सफाई और सुरक्षा के प्रति अभियान की प्रतिबद्धता पर बल दिया गया।

÷एक दिन, एक घंटा, एक साथ÷ के अंतर्गत एक साथ राष्ट्रव्यापी श्रमदान कार्यक्रम के आह्वान पर विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों/अधीनस्थ कार्यालयों/क्षेत्र इकाइयों के सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों ने 25.09.2025 को बड़ी संख्या में श्रमदान गतिविधियों में योगदान दिया और लोगों को एक स्वच्छ और हरित समाज के निर्माण में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

(कैप्शनः बीएसएनएल सर्किल कार्यालय, मुंबई के अधिकारी मेगा श्रमदान कार्यक्रम के दौरान योगदान देते हुए) स्वच्छता ही सेवा अभियान के समापन पर दूरसंचार विभाग मुख्यालय में स्वच्छता अभियान के साथ विशेष अभियान 5.0 के कार्यान्वयन चरण का शुभारंभ भी हुआ तथा लंबे समय से रुके हुए सार्वजनिक और अन?य संबंधित मामलों को हल करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

दूरसंचार विभाग विशेष अभियान 5.0 में प्रत?यक्ष रूप से भाग ले रहा है। अभियान के पहचान चरण (30.09.2025 तक) के दौरान, विभाग ने लंबित सांसदों के संदर्भों, राज्य सरकार के संदर्भों, लोक शिकायतों, लोक शिकायत अपीलों, संसदीय आश्वासनों आदि के निपटान के लिए लक्ष्य निर्धारित कर लिए हैं। विभाग ने 22,168 भौतिक फाइलों की समीक्षा/समाधान करने और निम्नलिखित लंबित मामलों को सुलझाने का लक्ष्य रखाः

लोक शिकायत अपीलः 555

विभाग ने लंबित मामलों के समाधान के लिए अभियान के दौरान अपने संगठनों/क्षेत्रीय कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अंतर्गत पूरे भारत में 450 से अधिक अभियान स्थलों की पहचान की है।

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा हैं: श्री शिवराज सिंह

पीआईबी ।

सरकार ने कृषि सलाहकारों की जरूरत और मूल्य दोनों को पहचाना है और उनके सम्मान एवं हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैः श्री शिवराज सिंह चौहान

भारत अपने किसानों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा, प्रधानमंत्री ने कहा राष्ट्रहित सर्वोपरिः श्री शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज बिहार प्रवास के दौरान पटना में आयोजित रबी कार्यशाला एवं कृषि सलाहकार संवाद कार्यक्रम में भाग लिया और कृषि वैज्ञानिकों, सलाहकारों एवं किसानों को संबोधित किया। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ÷कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा हैं। किसानों की सेवा करना मेरे लिए भगवान की पूजा के समान है।÷

श्री चौहान ने कहा कि एक समय था जब भारत अमेरिका से पी.एल.ङ्क480 के अंतर्गत लाल गेहूँ आयात करता था, किंतु आज की स्थिति यह है कि देश के भंडार गेहूँ और चावल से भरे हुए हैं और भारत अन्य देशों को भी अनाज निर्यात कर रहा है। इसमें किसानों की कड़ी मेहनत और कृषि सलाहकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कृषि मंत्री ने कृषि सलाहकारों की सराहना करते हुए कहा कि यदि सलाहकार न हों तो अनुसंधान प्रयोगशालाओं की उपलब्धियां जमीन तक नहीं पहुँच पाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने कृषि सलाहकारों की जरूरत और मूल्य दोनों को पहचाना है और उनके सम्मान एवं हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। श्री चौहान ने बिहार में दलहन और मक्का उत्पादन की संभावनाओं पर विशेष बल दिया और कहा कि ÷दलहन मिशन के माध्यम से देश को दालों में भी आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, और इसमें कृषि सलाहकारों की अहम भूमिका होगी।÷ उन्होंने हाल ही में मंत्रिमंडल द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि का भी उल्लेख किया।

(04कैप्शन11)04 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों के अनावरण के अवसर पर आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में उपस्थित लोग । इस अवसर पर प्रधानमंत्री संबोधित करते हुए।

(04कैप्शन14)नीति आयोग के सीईओ श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम नई दिल्ली में नीति कर नीति कार्य पत्र श्रृंखला-2 भारत में विदेशी निवेशकों के लिए स्थायी प्रतिष्ठान और लाभ निर्धारण में निश्चितता, पारदर्शिता और एकरूपता बढ़ाना रिपोर्ट के विमोचन के अवसर पर संबोधित करते हुए।

खान मंत्रालय ने 1,500 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण प्रोत्साहन योजना के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन विंडो अब कार्यशील

पीआईबी - केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 03.09.2025 को महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने हेतु 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी मिलने के बाद, खान मंत्रालय ने उक्त प्रोत्साहन योजना के कार्यान्वयन हेतु 02.10.2025 को योजना दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों में पुनर्चक्रण प्रणालियों के लिए सांकेतिक परिव्यय, प्रोत्साहन आवंटन की कार्यप्रणाली, आवेदन, मूल्यांकन और संवितरण प्रक्रियाएँ, संस्थागत तंत्र और कार्यनिष्पादन समीक्षा सहित योजना के तौर-तरीके बताए गए हैं। उद्योग और अन्य संबंधित हितधारकों के साथ विस्तृत परामर्श के बाद इन दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। प्रोत्साहन योजना राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन का एक प्रमुख घटक है, और इसका उद्देश्य देश में द्वितीयक स्रोतों से महत्वपूर्ण खनिजों के पृथक्करण और उत्पादन के लिए पुनर्चक्रण क्षमता विकसित करना है। पात्र फीडस्टॉक स्रोत ई-कचरा, प्रयुक्त लिथियम-आयन बैटरी (एलआईबी), और अन्य स्क्रैप सामग्री हैं। अपेक्षित लाभार्थी बड़े और स्थापित पुनर्चक्रणकर्ता, और छोटे और नए पुनर्चक्रणकर्ता (स्टार्ट-अप सहित) दोनों होंगे। यह योजना नई इकाइयों में निवेश के साथ-साथ क्षमता विस्तार / आधुनिकीकरण और मौजूदा इकाइयों के विविधीकरण पर लागू होगी। योजना प्रोत्साहन पुनर्चक्रण मूल्य श्रृंखला के लिए होगा जो महत्वपूर्ण खनिजों के वास्तविक निष्कर्षण में है, न कि केवल ÷ब्लैक मास÷ उत्पादन में शामिल मूल्य श्रृंखला के लिए। ब्लैक मास उपयोग की गई लिथियम-आयन बैटरियों से प्राप्त एक उप-उत्पाद है, जिसमें लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, मैंगनीज और ग्रेफाइट जैसी मूल्यवान धातुएँ होती हैं। बैटरी रीसाइक्लिंग के दौरान बैटरियों को यांत्रिक रूप से कुचलकर और संसाधित करके यह ÷ब्लैक मास÷ प्राप्त किया जाता है। विस्तृत दिशा-निर्देश जारी होने के बाद, यह योजना अब 02.10.2025 से छह (6) महीने की अवधि के लिए, यानी 01.04.2026 तक, आवेदन के लिए खुली है। योजना के दिशानिर्देश और आवेदन करने का लिंक खान मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डॉ. मनसुख मांडविया विश्व शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के विशेष संस्करण की शोभा बढ़ाएंगे

पीआईबी फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल 5 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में अपने भव्य विश्व शिक्षक दिवस संस्करण के लिए तैयार है। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे तथा साइकिल रैली में सैकड़ों शिक्षकों, विद्यार्थियों और नागरिकों का नेतृत्व करेंगे। फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल स्वास्थ्य और दीर्घकालिक समय के लिए एक जन आंदोलन बन गया है। डॉ. मांडविया ने कहा, ÷आइए इस विश्व शिक्षक दिवस पर हम अपने उन गुरुओं का स्मरण करें जिन्होंने राष्ट्र को आकार दिया। मैं प्रत्येक नागरिक, युवा और वृद्ध से आग्रह करता हूँ कि वे कल के फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल में शामिल हों। हम स्वस्थ और फिट रहने तथा एक अधिक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लें।÷

कल के कार्यक्रम में निम्नलिखित एथलीट और फिटनेस इन्फ्लूएंसर शामिल होंगेः सचिन यादव, भारत के उभरते हुए भाला फेंक खिलाड़ी, जिन्होंने 2025 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता और टोक्यो में 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे। तानिया सचदेव, अंतर्राष्ट्रीय मास्टर (आईएम) और महिला ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम), दो बार की भारतीय महिला शतरंज चैंपियन और लोकप्रिय शतरंज कमेंटेटर।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

नारी ही सृष्टि का आधार, समाज की धुरी और प्रेरणा है: श्री डेका

क्षत्रिय समाज की वीरांगनाओं के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर, लोकशक्ति। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज सरोना में आयोजित विराट क्षत्रिय दशहरा मिलन समारोह एवं वीरांगना राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने समाज में नारी शक्ति की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि मातृशक्ति परिवार को एक सूत्र में बांधने और समाज की नैतिक दिशा तय करने का कार्य करती है।

राज्यपाल ने कहा कि नारी जीवन का वह आधार है, जिसके बिना मानव अस्तित्व की कल्पना असंभव है। उन्होंने नारी की तुलना जल से करते हुए कहा कि जिस प्रकार पानी के बिना जीवन असंभव है, उसी प्रकार नारी के बिना भी यह सृष्टि अधूरी है।

अपने उद्बोधन में राज्यपाल ने जीवन को आनंदपूर्वक जीने के सूत्र साझा किए। उन्होंने कहा कि जीवन अनुपम है, इसे हर क्षण आनंद से जीना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि पैसा केवल जीवन की आवश्यक जरूरतों भोजन, शिक्षा और मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है, लेकिन वास्तविक सुख शांति और संतोष में ही निहित है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए ईमानदार प्रयास आवश्यक है, परंतु यदि प्राप्त न हो तो उसका अफसोस नहीं करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज देश और समाज के सामने अनेक चुनौतियां हैं, जिन पर जागरूक होकर विचार और समाधान करना आवश्यक है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए ÷मां के नाम एक पेड़÷ अभियान में सभी को सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि माइक्रोप्लास्टिक आज पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। इसका उपयोग कम से कम करने और आने वाली पीढ़ियों को इसके दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में काम करने की जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि जो व्यक्ति समय के पाबंद और अनुशासित होते हैं, वे जीवन में अवश्य सफल होते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों में समाज सेवा की अद्भुत प्रवृत्ति है।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ के महिला स्व-सहायता समूहों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि क्षत्रीय समाज की महिलाओं को भी इस दिशा में आगे आना चाहिए।

उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज सदैव राष्ट्र रक्षा और जनसेवा के लिए पहचाना गया है। आज समाज की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।आप सब मिलकर समाज को संगठित करें, व्याप्त कुरीतियों को दूर करें और देश के विकास में भागीदार बनें।

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि इस अधिवेशन से जो संदेश जाएगा, वह समाज में एकता, संगठन और प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

कार्यक्रम में वीरांगना की मुख्य संरक्षिका वीणा रमन सिंह ने अपना प्रेरणादायी संबोधन दिया।

वीरांगना की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलू सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर समाज के राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अमित कुमार सिंह , तथा राजपूत निस्वार्थ सेवा संघ की अध्यक्ष श्रीमती इला कलचुरी ने भी अपने विचार रखे। राज्यपाल रमेन डेका ने समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाली वीरांगनाओं को सम्मानित किया। समारोह में क्षत्रिय समाज के पदाधिकारी, सदस्यगण और बड़ी संख्या में महिलाएं एवं नागरिक उपस्थित थे।

सेवा सप्ताह के तीसरे दिन लायंस क्लब चांपा में हुआ लिपिड प्रोफ़ाइल टेस्ट

संवाददाता।

जांजगीर चांपा / लायंस क्लब चांपा द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के तीसरे दिन लायन भवन चांपा में निःशुल्क लिपिड प्रोफ़ाइल टेस्ट का आयोजन किया गया जिसमें 48 मरीजों का बल्ड टेस्ट कर उन्हें परीक्षण रिपोर्ट दिया गया ।

इस अवसर पर लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन संतोष कुमार सोनी अधिवक्ता, सचिव लायन राजेश अग्रवाल,कोषाध्यक्ष लायन वासुदेव देवांगन, पूर्व प्रांतपाल लायन डॉ व्ही के अग्रवाल, चेयरमैन लायन रामप्रपन्न देवांगन, लायन डॉ काशी प्रसाद राठौर, लायन डॉ वाई के शर्मा, लायन विनोद कुमार अग्रवाल,लायन उत्तम प्रकाश देवांगन, पत्रकार आशीष अग्रवाल , पूरन लाल बरेठ , सहित अन्य लोग उपस्थित थे जिनके सहयोग से

गांव-गांव में पीएम सूर्य घर योजना का करें प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक हितग्राहियों को करे लाभान्वित -

संवाददाता। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवार इस योजना से जुड़ें और अपनी छतों पर सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन कर लाभान्वित हों। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि ग्रामीणों को यह जानकारी दी जाए कि योजना का लाभ केवल राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकृत वेंडरों से ही मिल सकेगा। पात्र हितग्राहियों को आवेदन प्रक्रिया, सब्सिडी की सुविधा और जनसमर्थ पोर्टल के जरिए मिलने वाले बैंक ऋण की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पंचायत स्तर पर बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए तथा नोडल अधिकारी सुनिश्चित करें कि योजना की जानकारी हर घर तक पहुँचे।

जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु लैटरल एंट्री परीक्षा–2026 के लिए आवेदन आमंत्रिता

जांजगीर- चांपा / पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीट के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 07 अक्टूबर 2025 तक विस्तारित की गई है। प्राचार्य पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी जो कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के किसी सी.बी.एस.ई. अथवा राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त विद्यालय से कक्षा 8वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी जिनकी जन्म तिथि 01 मई 2011 से 31 जुलाई 2013 तक हो (दोनो तिथियां सम्मिलित) नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाईट https\Ñ//cbseitms.nic.in/w®wz/nvsi&_~/ पर एवं कक्षा 11वीं में प्रवेश हेतु शैक्षणिक सत्र 2025-26 में जिले के किसी सी.बी.एस.ई. अथवा राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त विद्यालय से कक्षा 10वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी जिनकी जन्म तिथि 01 जून 2009 से 31 जुलाई 2011 तक हो (दोनो तिथियां सम्मिलित) नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाईट https\Ñ//cbseitms.nic.in/w®wz/nvs&i_vv/ पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास की ली बैठक

पीएम आवास योजना में धीमी प्रगति पर कलेक्टर नाराज
जनपद पंचायत अकलतरा के सीईओ और रोजगार सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि महात्मा गांधी नरेगा, पीएम आवास योजना से जुड़े कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने जनपद पंचायत अकलतरा के सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने उन रोजगार सहायकों को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा, जिन्होंने योजना के कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई है। कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि आवास निर्माण कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और समय सीमा में गुणवत्ताके साथ कार्य पूर्ण करने कहा।इस दौरान जिला पंचायत मुख्य कार्य श्री गोकुल रावटे उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत हर ग्राम पंचायत में स्वीकृत कार्य तुरंत शुरू किए जाएं और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से जल संरक्षण और कृषि आधारित कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के पुराने कार्यों को तत्काल प्रारंभ कर पूरा किया जाए, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने मनरेगा भुगतान व्यवस्था में पारदर्शिता लाने हेतु आधार आधारित भुगतान अनिवार्य करने और ईएमबी (इलेक्ट्रॉनिक मेजरमेंट बुक) के माध्यम से कार्य संचालन करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी योजनाओं की रूपरेखा युक्तधारा पोर्टल से ही तैयार करने को कहा। बैठक में उन्होंने दो माह के भीतर सभी आंगनबाड़ी कार्यों को पूर्ण करने और सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) में रिकवरी अभियान चलाकर प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश भी दिए। श्रमिकों की उपस्थिति एनएमएमएस ऐप के माध्यम से ही दर्ज की जाएगी।

कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि योजनाओं को समय पर और पारदर्शिता के साथ पूरा करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है अन्यथा लापरवाही करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत आवास को निर्धारित समय सीमा में हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान चलाकर अधूरे आवासों को शीघ्र पूरा कराया जाए। पात्र-अपात्र के निराकरण की प्रक्रिया को गंभीरता से लिया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। उन्होंने कहा कि आवास स्वीकृत होने के बाद निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण किया जाना चाहिए। साथ ही आगामी 1 नवम्बर को राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी समय पर पूर्ण की जाए। कलेक्टर ने चेतावनी दी कि यदि आवास समय पर पूर्ण नहीं किए गए तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जाएंगे। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने स्वच्छ भारत मिशन और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाए। ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने और आमजन को अधिक से अधिक जोड़ने पर जोर दिया। एनआरएलएम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि समूहों को ऋण उपलब्ध कराने, आजीविका आधारित गतिविधियों से जोड़ने और प्रशिक्षण की व्यवस्था गंभीरता से की जाए। कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं में कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरे होने चाहिए। लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश की स्थापना दिवस को रजत जयंती के अवसर के रूप में मनाया जा रहा है इस दौरान ग्राम पंचायत में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाए। बैठक में उप संचालक पंचायत श्री अभिमन्यु साहू, सर्व सीईओ जनपद पंचायत, बीसी पीएमएवाई-जी, पीओ मनरेगा, बीसी स्वच्छ भारत मिशन, एनआरएलएम, एसडीओ आरईएस,सब इंजीनियर, तकनीकी सहायक उपस्थित रहेंगे।

हांकी मैदान से बारिश के पानी मैं भीगते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घेर बिजली कार्यालय

बढे बिजली दर को कम करने की मांग को लेकर लगे गगन चुंबी नारे

जांजगीर चांपा / प्रदेश में भाजपा के साय सरकार ने अपने पौने दो साल के कार्यकाल में बिजली बिल में प्रति यूनिट 80 पैसे तक की बढ़ोतरी कर गरीब जनता, मध्यम वर्ग के जेब में डाका डालने का कार्य किया है । पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने बिजली के घाटे को पाटते हुए बिजली बिल हाफयोजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के 65 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 3240 करोड़ रुपए के सब्सिडी देकर बहुत बड़ी राहत दी थी ।

किसानों को 5 एचपी तक निशुल्क बिजली दिया बीपीएल उपभोक्ताओं को 40 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी गई, लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेश भर में बिजली उपभोक्ताओं में हाहाकार मचा हुआ है । प्रदेश भर से अनाप-शनाप बिजली बिल आने की शिकायत लगातार आ रही है इसलिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा चालू किए गए हाफबिजली बिल योजना पुनः प्रारंभ करने एवं बढ़े हुए बिजली दर को कम करने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस के कार्यकारी जिला अध्यक्ष रमेश पैगवार ,जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप के नेतृत्व में जांजगीर भाठापारा से बिजली कार्यालय तक भारी संख्या में कांग्रेस जन एवं नागरीकगण उपस्थित होकर भाजपा सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए बिजली कार्यालय का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम पर बिजली कार्यालय के सहायक के यंत्री को ज्ञापन सौपे।

धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक ब्यास कश्यप, कार्यकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमेश पैगवार, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश शर्मा, प्रदेश कांग्रेस सचिव गिरधारी यादव, रफीक सिद्दीकी, शिशिर द्विवेदी, लोकेश राठोर, देव कुमार पांडे, अजीत सिंह राणा, भगवान दास गढ़वाल,राजेश अग्रवाल, नागेंद्र गुप्ता, सुनील साधवानी, संतोष पप्पू शर्मा, चिंताराम राठौर, सुखराम गरेवाल, पार्षदगण विष्णु यादव, अरमान खान, अक्षय टेकाम, श्रीमती रेखा सोनवान, श्रीमती जगदीश्वरी सूर्यवंशी, परमेश्वर निर्मले, पंकज शुक्ला, गौरव सिंह, पवन कश्यप, आकाश तिवारी, किशन सोनी, सेवक लाल देवांगन, रामविलास राठौर, चंद्र कुमार ओग्रे, विजय गढेवाल, मनोहर प्रधान, अशोक सोनवानी, मोती पटेल, गोपाल गुलशन सोनी, अनिल राठौर, सुरेंद्र कुमार पांडे, लाला जायसवाल, राजू सूर्यवंशी, लाल कृष्ण खरे, आनंद लहरें, हर्ष शुक्ला, नूतन देवांगन, संजय कश्यप, अमन सोनी, दिलेश कश्यप, डालेश्वर साहू, कमल कश्यप, योगेश कश्यप, रवि सूर्यवंशी, आकाश सिंह, नरेश पैगवार , शक्ति गढ़वाल, कमलेश ताम्रकार, सफीक खान, महेश पटेल, खलील मोहम्मद सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित हुए ।

नशामुक्ति आमसभा ग्राम पंचायत भोथीपार खुर्द में आयोजित

राजनांदगांव। ग्राम पंचायत भोथीपार खुर्द में गत दिवस नशा मुक्ति एवं साइबर क्राइम जागरूकता का आम सभा का आयोजन किया गया।जिसमें सुरगी थाना प्रभारी श्री शंकर गिरी गोस्वामी जी आमसभा में सम्मिलित होकर ग्रामवासियों को नशा अवैध शराब गांजा बिक्री सट्टा अन्य प्रकार के नशा प्रदार्थ बेचना और गांव के शांति भंग करना अपराध है ऐसे अपराध के सूचना मिलने पर ठोस कार्रवाई के आश्वाशन के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी साइबर क्राइम के प्रति थाना प्रभारी श्री गिरी गोस्वामी द्वारा जागरूकता किया । गांव में शांति बनाए रखने के लिए अवैध शराब गांजा बिक्री शराब पीकर शांति भंग करने वाले व्यक्तियों के लिए आर्थिक दंड भी रखा गया । जिसमें प्रमुख रूप से गांव में महिला शक्ति बढ़ चढ़ के हिस्सा लिए सरपंच आम सभा में थाना प्रभारी श्री गिरी गोस्वामी सरपंच जितेंद्र साहू उपरपंच पाशपाल साहू, गोपाल साहू, जागेश्वर सिंह, सुरेश साहू, अशोक साहू , लोमसिंह महर कोतवाल, चित्रांगद साहू, महिला समूह से चित्ररेखा साहू, मंजू साहू, झुनिया विश्वकर्मा ,सीमा साहू, गंगा साहू, सरस्वती सिन्हा,नर्मदा साहू पूर्व सरपंच, अनीता साहू ,किरण साहू,टेक्स्वरी साहू, सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवाशी नशा मुक्ति आमसभा में सम्मिलित हुए ।

खास खबर

सास व साली पर हमला करने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर, बिलासपुर की सीपत थाना पुलिस ने शराब पीने के लिए पैसे नही देने पर अपनी सास के साथ मारपीट करने तथा बीच बचाव करने आई साली पर हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें कि आरोपी संतोष कुमार घृतलहरे अपने ससुराल ग्राम डगनिया आया हुआ था जो अपनी सास यशोदा मिरी से शराब पीने के लिये पैसा मांगा, पैसा देने से मना करने पर आरोपी संतोष जबरन अपनी सास को अश्लील गाली गलौच जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ मे रखे लोहे की हशिया से यशोदा के साथ मारपीट करने लगा वहीं बीच बचाव करने जब साली कविता मिरी आई तो उनके साथ भी हाथ मुक्का व हशिया से मारपीट किया। आरोपी के मारपीट करने से यशोदा के सिर, हाथ, पीठ, चेहरा मे, तथा कविता के सिर, बांये हाथ की कलाई मे चोट लगी। जिसके रिपोर्ट पर थाना सीपत में अपराध पंजीबद्ध कर मामले की गम्भीरता को देखते हुये प्रकरण के त्वरित कार्यवाही कर आरोपी संतोष कुमार घृतलहरे को थाना लाकर पूछताछ करने पर अपनी सास के साथ पैसो की मांग कर मारपीट करना स्वीकार किया।

शराब के नशे में पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से हत्या की सनसनीखेज वारदात वारदात सामने आई है। कटघोरा थाना इलाके के बरपाली गांव में विवाद के दौरान पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी पति ने शराब के नशे में कुल्हाड़ी से हमला कर वारदात को अंजाम दिया है। हत्या की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है।

शुरूआती जांच में सामने आया कि बरपाली गांव में बुधवार सुबह पति चैतराम धनवार और उसकी पत्नी बंधन बाई धनवार के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। इसी दौरान शराब के नशे में धुत पति ने बंधन बाई धनवार पर कुल्हाड़ी से घातक हमला कर दिया. फर्श खून से सन गया।

पत्नी बंधन बाई की मौके पर ही मौत हो गई। घर के बाहर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि इस मामले में आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पारिवारिक कलह के चलते हत्या की बात सामने आई है. आगे की कार्रवाई की जा रही है।

त्रिपुरासुर वध कथा में गूंजा हर-हर महादेव मंत्री लखनलाल देवांगन ने किया श्रद्धापूर्वक श्रवण

रविशंकर नगर लक्ष्मी निवास में 28 सितम्बर से जारी शिवमहापुराण कथा में उमड़ रही अपार श्रद्धा 5 अक्टूबर को होगा विशाल भंडारा

कोरबा ,

रविशंकर नगर स्थित लक्ष्मी निवास एमआईजी 2/103 में चल रही शिवमहापुराण कथा एवं कलश यात्रा ने पूरे इलाके को भक्ति और अध्यात्म की रंगत से सराबोर कर दिया है। गुरुवार को कथा के पांचवें दिन भगवान शिव द्वारा त्रिपुरासुर वध का रोमांचक प्रसंग सुनाया गया। वृंदावन से पधारे पूज्य राहुल कृष्ण जी महाराज ने अपने दिव्य वचनों से जब त्रिपुरासुर वध की वीरगाथा का वर्णन किया तो पूरा परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के श्रम, उद्योग, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण किया। उन्होंने कहा कि शिव कथा केवल आस्था का पर्व नहीं बल्कि यह समाज को एकता और संस्कृति से जोड़ने वाला माध्यम है। ऐसे आयोजनों से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस पूरे आयोजन की बागडोर तुलाराम राठौर, उनके

सुपुत्र कृष्ण कुमार राठौर और अशोक राठौर व पूरे राठौर परिवार ने मिलकर संभाली है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्था, बैठने और प्रसाद वितरण की तैयारियों में परिवार के सभी सदस्य जुटे हुए हैं। आयोजक परिवार का कहना है कि हमारा उद्देश्य भगवान शिव की महिमा का प्रसार करना है। कथा श्रवण से जीवन धन्य होता है और समाज को सही दिशा मिलती है। हम सभी श्रद्धालुओ से कथा लाभ लेने का अनुरोध करते है।÷

28 सितम्बर से लगातार गूंज रही शिवभक्ति' यह धार्मिक आयोजन रविवार 28 सितम्बर को कलश यात्रा और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आरंभ हुआ। पहले दिन महाराज ने शिवमहापुराण महात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि शिव कथा श्रवण से समस्त पाप नष्ट होते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। सोमवार 29 सितम्बर को आदि शिवलिंग एवं ज्योतिर्लिंग महात्म्य प्रसंग सुनाया गया। ब्रह्मा और विष्णु के विवाद तथा ज्योतिर्लिंग प्रकट होने की कथा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मंगलवार 30 सितम्बर को संध्या देवी की कथा का वाचन हुआ, जिसमें तप और ब्रह्मचर्य के महत्व को रेखांकित किया गया। बुधवार 1 अक्टूबर को कथा में माता पार्वती को ब्राह्मणी रूप में वरदान प्रसंग सुनाया गया, जिसने शिव-पार्वती विवाह की पृष्ठभूमि को स्पष्ट किया गया। आज गुरुवार 2 अक्टूबर को त्रिपुरासुर वध प्रसंग सुनाया गया। महाराज ने विस्तार से बताया कि किस प्रकार असुर त्रिपुर के आतंक से देवता और मानव त्रस्त हुए और भगवान शिव ने अपने धनुष से त्रिपुर का दहन कर धर्म की पुनः स्थापना की। इस प्रसंग ने श्रोताओं को न केवल भक्ति रस में डुबोया बल्कि धर्म की रक्षा और अधर्म के नाश के गहरे संदेश से भी अवगत कराया।

आगे और होगा दिव्य प्रसंगों का श्रवण' - कथा का प्रवाह अब भी जारी है। शुक्रवार 3 अक्टूबर को भगवान शिव के विविध अवतारों की कथा सुनाई जाएगी, जिसमें महादेव के नंदी, भैरव, अर्धनारीश्वर और कालभैरव जैसे स्वरूपों का विस्तृत वर्णन होगा। शनिवार 4 अक्टूबर को द्वादश ज्योतिर्लिंग महात्म्य का विस्तार से वर्णन होगा। सोमनाथ, महाकाल, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ समेत बारहों ज्योतिर्लिंगों की महिमा सुनाई जाएगी। रविवार 5 अक्टूबर को कथा का समापन होगा और विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

आयोजन स्थल पर भक्ति का अद्भुत दृश्य' लक्ष्मी निवास एमआईजी, सेंट विजेंट पलोटी स्कूल के सामने, पं. रविशंकर नगर में चल रही कथा के दौरान रोजाना सुबह 9 बजे से 11 बजे तक वैदिक पूजन और दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक कथा का आयोजन हो रहा है। कथा स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया है और पूरे परिसर में भक्ति का माहौल छाया रहता है। कथा के प्रारंभ दिन में महिलाएं कलश यात्रा में पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर शामिल हुई हैं और ढोल-नगाड़ों की थाप पर भक्तिमय वातावरण गूंजता रहा। हर दिन कथा के दौरान भजन-कीर्तन, आरती और शिव नाम के जयघोष से ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं कैलाशधाम अवतरित हो गया हो।

श्रद्धालुओं की अपार आस्था'

कथा में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। दूर-दराज से आए भक्त भी शिव कथा श्रवण कर आत्मिक शांति का अनुभव कर रहे हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि महाराज की वाणी सुनते ही मन भक्तिरस से भर जाता है और जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है। दीपों की रौशनी, झूमते भजन और शिव तांडव के गायन ने कथा को और भी अलौकिक बना दिया है।

उरगा-कुसमुंडा नई रेल लाइन पर माल यातायात परिवहन की अनुमति

बिलासपुर (लोकशक्ति)।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल अंतर्गत उरगा से कुसमुंडा तक 12.637 किलोमीटर लंबी नई विद्युतीकृत ब्रॉडगेज रेल लाइन का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है । यह रेल खंड छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेल कॉरिडोर (गेवरा रोडङ्कपेन्ड्रा रोड) नई रेल परियोजना का महत्वपूर्ण अंग है । इस नई रेल लाइन के शुरू होने से क्षेत्र में माल यातायात की क्षमता और सुगमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और उद्योगों एवं कोयला उत्पादन क्षेत्रों को निर्बाध परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी । अब गाड़ियाँ उरगा से सीधे कुसमुंडा तक चल सकेंगी, जिससे कोरबा स्टेशन में भीड़-भाड़ में कमी आएगी । 29 सितम्बर 2025 को उच्च स्तरीय समिति द्वारा इस नवनिर्मित रेल खंड का निरीक्षण किया गया, जिसमें प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी सम्मिलित हुए । समिति द्वारा जारी ज्वाइंट सेफ्टी सर्टिफिक्रेट में यह प्रमाणित किया गया कि यह खंड माल यातायात परिचालन के लिए पूर्णतः

सुरक्षित है । रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 22(1) के अंतर्गत आवश्यक प्रावधानों के अनुपालन के पश्चात, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा दिनांक 30 सितम्बर 2025 को इस खंड को माल यातायात परिचालन हेतु अधिकृत किया गया । इस रेल लाइन पर प्रारंभिक अधिकतम गति सीमा 30 किमी प्रति घंटा निर्धारित की गई है, जिसे चरणबद्ध रूप से 75 किमी प्रति घंटा तथा बाद में 110 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाया जाएगा । इस नवनिर्मित रेल लाइन के शुरू होने से छत्तीसगढ़ राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी, खनिज संपदा का परिवहन तेज़ एवं सुगम होगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा ।

शिवलिंग पर मुस्लिम युवक ने किया पेशाब, मचा बवाल, हिंदू संगठन ने बस्ती में तोडफ़ोड़ की, भारी तनाव

संवाददाता

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में शुक्रवार 4 अक्टूबर को देर रात जबर्दस्त बवाल मच गया. हिंदू संगठन का आरोप है कि एक मुस्लिम युवक ने शिवलिंग में पेशाब कर धार्मिक भावनाओं को आहत किया है. पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया है. मामला सरकंडा थाना क्षेत्र की है.

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी युवक का नाम अशरफ खान है. आरोप है कि उसने अशोक नगर के दुर्गा मंदिर में स्थित शिवलिंग में पेशाब किया है. जिसकी खबर फैलते ही स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया.

बस्ती में पथराव और तोडफ़ोड़ इस घटना से नाराज लोगों ने मुस्लिम बस्ती में पथराव और तोडफ़ोड़ की. घटना की जानकारी मिलते ही फौरन पुलिस मौके पर पहुंची और नाराज लोगों को समझाइश दी. तब जाकर मामला शांत हुआ. हालांकि, इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस ने फ्लैग मार्च भी किया। **पथराव, कई घरों के शीशे टूटे** प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शिवलिंग से छेड़छाड़ और पेशाब करने की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए. नाराज भीड़ ने हंगामा करते हुए आसपास की मुस्लिम बस्ती में पथराव और तोडफ़ोड़ की. कई घरों के शीशे टूट गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया.

बालको प्लांट में बड़ा हादसा 20 साल पुरानी चिमनी गिरी,कोई जनहानि नहीं

कोरबा शुक्रवार को बालको स्थित बालको एल्यूमिनियम प्लांट में 20 साल पुराना राख फिल्टर प्लांट एकाएक ढह गया।इस हादसे में किसी भी प्रकार की जन हानि हुई। हादसे के बाद संयत्र के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। प्राप्त समाचारों के अनुसार बालको एल्यूमिनियम प्लांट में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट परिसर में राख फिल्टर का करीब 20 साल पुराना संयंत्र अचानक भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। उस समय वहां कार्यरत कर्मचारी इसकी जद में आने से बाल बाल बच गये। बताया जाता है कि ईएसपी का निर्माण सेपको कंपनी द्वारा वर्ष 2004-05 के

दौरान किया गया था। हादसे के बाद एक बार फिर सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।उल्लेखनीय कि इससे पहले भी बालको प्लांट में चिमनी गिरने की घटना हो चुकी है, बावजूद इसके प्रबंधन ने सुरक्षा प्रबंध को नजरअंदाज किया।

चालू रोड में बिजली का खम्भा काटकर वाहन में लोड कर चलते बने

कोरबा, संवाददाता

शहर व जिले भर में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था सख्त होने के दावों के बीच चोरों ने दुस्साहसिक तरीके से चालू रोड में बिजली का खम्भा काटा और वाहन में लोड कर चलते बने। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

वारदात रविवार रात की बताई जा रही है। वीडियो में साफदिख रहा है कि एक पिकअप गाड़ी आती है, कुछ 4-5 लोग उतरकर कटर मशीन से बिजली का एक खम्भा को काटते हैं और आराम से ले जाते हैं। यहां पर और भी खम्भे पड़े हुए हैं जिनमें से एक को दो टुकड़े में काटा गया। वारदात तब हुई, जबकि इस दौरान सड़क पर आवाजाही बनी थी। त्योहारी सीजन होने के कारण घटना

स्थल से चंद दम दूर पावर हाउस रोड चैक पर जवानों की तैनाती रहती है। हालांकि,वारदात के वक्त इनकी मौजूदगी थी या नहीं,स्पष्ट नहीं है लेकिन अर्ध निर्मित मल्टिप्लेक्स के पास विद्युत सबस्टेशन के निकट रखे गए खम्भों से की गई इस वारदात ने कबाड़ियों और कबाड़ चोरों, लोहा चोरों के मन से पुलिस और कानून का भय खत्म होते जाने की पुष्टि जरूर कर दी है।

बताते चलें कि हाल फिलहाल के दिनों में कोतवाली सहित विभिन्न थाना क्षेत्र से मोटरसाइकिलों,बाइक की चोरी की लगातार वारदातें हुई हैं-हो रही है जिन पर फिर भी दर्ज की गई है, लेकिन चोरी के इन मोटरसाइकिलों का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। इसमें कोई संदेह नहीं कि चोरी के वाहनों को काट-पीट कर बराबर कर कबाड़ में खपा दिया गया हो..! इससे पहले भी इस तरह के मामले पुलिस ने जरूर पकड़े हैं जिसमें चोरी किए गए वाहनों को काटकर कबाड़ में बेचने की तैयारी थी। इसके अलावा चोरी की छुटपुट वारदातें हो ही रही हैं जिनमें से कई मामलों में एफआईआर दर्ज नहीं कराई जाती और न ही कोई शिकायत होती है। नगर पालिक निगम द्वारा कराए गए सौंदर्यीकरण का लोहा भी चोरी होकर आखिर कहीं ना कहीं किसी न किसी कबड्डी के पास तो बेचा ही गया होगा! ट्रांसपोर्ट नगर चैक से लेकर शारदा विहार तिराहा तक निगम द्वारा कराए गए सौंदर्यीकरण की रेलिंग से भी लोहा चोरी कर आसपास के क्षेत्र के कबाड़ी के पास बेचकर नशाखोरों ने नशा कर लिया, रेलिंग से लोहे की चोरी अभी भी चल रही है लेकिन सरकारी संपत्ति को चुराने वाले-खरीदने वाले पकड़ से दूर हैं।

देखना होगा कि इस तरह से सरेआम खम्भा काटकर चुराने वाले कब तक पकड़ में आते हैं और इनका नेटवर्क भी पुलिस ध्वस्त कर पाती है या फिर एकाध कार्रवाई कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। ऐसे घटनाक्रमों को लेकर आम लोगों के बीच यह चर्चा भी आम है कि कप्तान की सख्ती के बावजूद भी थाना-चैकी स्तर पर कुछ लोगों की मिली भगत से सारा अवैध काम चल ही रहा है।

31 हज़ार शिविरों में 22 लाख लोगों की स्वास्थ्य की जांच

रायपुर (संवाददाता)।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की महत्वाकांक्षी पहल ÷स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷ छत्तीसगढ़ में कई नए कीर्तिमान स्थापित किए है। बीते पखवाड़े भर में प्रदेशभर में 31 हजार से अधिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए, जिनमें करीब 22 लाख लोगों ने जांच और उपचार की सेवाएं प्राप्त कीं। सबसे खास बात यह रही कि इन शिविरों में महिलाओं की भागीदारी सबसे अधिक रही, जिससे यह साफ है कि अब ग्रामीण अंचलों में भी महिलाएं अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग हो रही हैं।

यह भागीदारी अभियान के उस मूल विचार को मजबूती देती है, जिसमें माना गया है कि जब एक महिला स्वस्थ होती है, तभी पूरा परिवार और समाज सशक्त बनता है। इन शिविरों में महिला स्वास्थ्य, पोषण व अनीमिया की जांच को विशेष प्राथमिकता दी गई, जिसके अंतर्गत पांच लाख से अधिक लोगों की अनीमिया जांच की गई। यह आंकड़ा न केवल जांच की व्यापकता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि राज्य सरकार महिलाओं में खून की कमी जैसी पुरानी समस्याओं को लेकर अब ठोस

कदम उठा रही है। गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, बच्चों का टीकाकरण, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, टीबी, कैंसर और सिकल सेल जैसे रोगों की स्क्रीनिंग को भी शिविरों में प्राथमिकता के साथ शामिल किया गया। परिणामस्वरूप 1.91 लाख गर्भवती महिलाओं की जांच हुई, 2.72 लाख लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की गई, 3.72 लाख लोगों की टीबी जांच की गई और 67 हजार से अधिक बच्चों को टीके लगाए गए।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत '31 हज़ार शिविरों में 22 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच - अभियान सिर्फ इलाज तक सीमित नहीं रहा। इन शिविरों में महिला स्वास्थ्य कर्मियों और विशेषज्ञों ने बड़ी संख्या में महिलाओं को संतुलित आहार, आयरन-फोलिक एसिड की महत्ता, स्वच्छता और जीवनशैली में सुधार जैसे विषयों पर परामर्श दिया। यह पहल केवल उपचार नहीं, बल्कि समय रहते रोगों की पहचान और रोकथाम की दिशा में भी कारगर सिद्ध हो रही है। लगभग 13 लाख लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य विषयों पर जागरूक किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अभियान के माध्यम से केवल बीमारियों का उपचार नहीं, बल्कि जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति सोच बदलने का प्रयास किया जा रहा है। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान अंतर्गत '31 हज़ार शिविरों में 22 लाख लोगों की स्वास्थ्य जांच अभियान की व्यापकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अभियान के अंतर्गत नवरात्रि महोत्सव को महिला स्वास्थ्य और परिवार सशक्तिकरण से जोड़ते हुए एक अभिनव पहल शुरू की गई। राज्य के विभिन्न जिलों में माता पंडालों और गरबा स्थलों पर हजारों महिलाओं ने स्वस्थ नारी सुरक्षित परिवार का संकल्प लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने इस अवसर पर महिलाओं को स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व से अवगत कराया। राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों को भी इस अभियान के दायरे में शामिल किया है। इस दौरान 36,186 हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड व प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व वितरित किए गए हैं, जिससे अब उन्हें भी उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं तक निःशुल्क पहुंच मिल सकेगी। छत्तीसगढ़ का यह अभियान अब केवल स्वास्थ्य सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण का एक मॉडल बनता जा रहा है। गांव-गांव और दूरस्थ अंचलों तक पहुंचते हुए यह पहल दिखा रही है कि जब नीतियां ज़मीन पर उतरती हैं, तो बदलाव सिर्फ आंकड़ों में नहीं, जीवन के हर स्तर पर नज़र आता है।

मांस बिक्री से भड़का जनाक्रोश, पूर्व सभापति ने उठाए जिम्मेदारों पर सवाल

कोरबा, हर वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर मदिरा बिक्री और मांस विक्रय पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाता है, ताकि इस दिन को शांति, अहिंसा और सद्भाव के प्रतीक के रूप में मनाया जा सके। लेकिन इस बार कोरबा के इतवारी बाजार में यह परंपरा टूटती नजर आई, गांधी जयंती और विजयदशमी के पावन अवसर पर बाजार में खुलेआम मांस की बिक्री होती रही, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया।

पूर्व सभापति श्याम सुंदर सोनी ने बताया कि जब वे इतवारी बाजार पहुंचे तो कई नागरिकों ने मांस बिक्री को लेकर उनसे शिकायत की। लोगों का कहना था कि प्रत्येक वर्ष गांधी जयंती के दौरान मांस, मदिरा की दुकानों पर रोक लगाई जाती है, परंतु इस वर्ष प्रशासन की ओर से कोई सख्ती नहीं बरती गई। इस लापरवाही को लेकर नागरिकों में रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि जो नेता स्वयं को हिंदू हितैषी और रक्षक कहते हैं, वे इस संवेदनशील अवसर पर पूरी तरह नदारद रहे। एक ओर जहां शहर में दशहरा का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा था, वहीं दूसरी ओर मांस की बिक्री से त्योहार की गरिमा को ठेस पहुंची। गांधी जयंती के दिन नेताओं द्वारा गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण तो किया गया, लेकिन उन्हीं नेताओं को बेजुबानों की हत्या और खुलेआम मांस विक्रय पर कोई आपत्ति नहीं हुई। इससे लोगों में यह सवाल उठने लगा है कि क्या ऐसे प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि कार्यक्रम महज औपचारिकता भर रह गए हैं? अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और आने वाले वर्षों में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

मवेशी चोरी कर क्रुरतापूर्वक परिवहन करने के मामले में थाना प्रेमनगर पुलिस ने 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

सूरजपुर । ग्राम रघुनाथपुर थाना प्रेमनगर निवासी ननकू राम बरगाह ने थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 11.04.2025 को इसके 2 रास भैंसा एवं 1 रास भैस पडिया एवं लखन श्याम का 1 रास भैस को चरने के लिए छोड़ा था जो वापस नहीं आया है। रिपोर्ट पर गुम मवेशी कायम कर पतासाजी की गई एवं नहीं मिलने पर नियमानुसार घटना स्थल व समय एक ही होने से अपराध क्रमांक 67/2025 धारा 303(2) बीएनएस कायम कर विवेचना की गई। मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपियों की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में थाना प्रेमनगर पुलिस की विवेचना के दौरान थाना चंदौरा से सूचना प्राप्त हुई कि वहां पंजीबद्ध अपराध 48/25 धारा कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10 एवं पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(घ) व बीएनएस की धारा 111, 325, 349 में 17 रास भैंस-भैंसा जप्त कर कान्हा गौशाला जमदेई में सुरक्षार्थ रखा गया है। सूचना मिलने पर प्रार्थी व गवाहों से पहचान कराया गया जो प्रार्थी ननकू राम बरगाह के चोरी हुई अपने 2 रास भैंसा एवं 1 रास भैंस एवं लखन श्याम के 1 रास भैंस को पहचान कर अपना-अपना मवेश होना बताए। विवेचना दौरान पूर्व में मवेशी तस्करी में गिरफ्तार हुए आरोपी सइद मुबारक उर्फगुड्डू एवं एजाजुल अंसारी दोनों निवासी ग्राम मलगा, थाना भटगांव को पकडा गया। आरोपी गुड्डू उर्फ सइद मुबारक ने पूछताछ पर बताया कि एजाजुल अंसारी एवं 1 अन्य साथी के साथ घुम-घुमकर भैंस-भैंसा को चोरी करते एवं खरीदते थे।

बह्मनी नदी में मिला अज्ञात युवक का शव

कोंडागांव (संवाददाता)। जिले की बह्मनी नदी में बुधवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह नहाने गए ग्रामीणों ने नदी में शव को औंधे मुंह तैरता हुआ देखा और तत्काल इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली थाना प्रभारी टामेश्वर सिन्हा ने बताया कि सुबह करीब 9 बजे ग्रामीण नहाने के लिए बह्मनी नदी गए थे। इसी दौरान उन्होंने एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ देखा।

इसके बाद आस-पास के लोगों को जानकारी देने के साथ ही पुलिस को भी सूचना दी गई। शव को देखने से युवक की उम्र लगभग 35 वर्ष के आस-पास की बताई जा रही है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उन्होने बताया कि आस-पास के क्षेत्रों और थानों को सूचना दी गई है, ताकि अगर कहीं गुमशुदगी दर्ज हुई हो तो उसकी जानकारी साझा की जा सके। मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

गिरधर देवांगन का घर बना मिनी पावरहाऊस

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित हो रही है। राजनांदगांव शहर के गौरी नगर निवासी श्री गिरधर लाल देवांगन इसका जीवंत उदाहरण हैं। श्री गिरधर देवांगन बताते हैं कि उन्हें जब समाचार पत्र के माध्यम से इस योजना की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत इस योजना के तहत आवेदन कर अपने घर की छत पर 5.5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया। इस पर कुल लागत 3 लाख 40 हजार रूपए आयी। योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से उन्हें 78 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई है, वहीं राज्य शासन की ओर से 30 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी मिलने वाली है। इस प्रकार 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी से सोलर सिस्टम की वास्तविक लागत आधी हो जाएगी।

बिजली बिल हुआ शून्य और मैं उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बना : श्री गिरधर देवांगन ने बताया कि सोलर सिस्टम लगने के बाद पहले ही महीने से सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। उनके घर की मासिक औसत बिजली खपत लगभग 510 यूनिट है, जबकि सोलर पैनल से पहले महीने में 615 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। यह उनकी खपत से 105 यूनिट अधिक है। अतिरिक्त बिजली ग्रिड में जमा हो रही है, जिसका उपयोग आवश्यकता पडने पर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मेरे घर में सोलर सिस्टम से घर बन गया है मिनी पावरहाऊस। सूर्यघर योजना से मेरे घर का बिजली बिल शून्य हुआ और मैं उपभोक्ता से ऊर्जा उत्पादक बन गया हूं।

कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करने में मिलेगी मदद: श्री देवांगन ने कहा आगामी 4 से 5 वर्षों में ही सोलर पैनल की लागत निकल जाएगी जबकि सोलर पैनल 20-25 साल तक काम करता है, जिससे वर्षों तक मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि पहले हम सिर्फबिजली खर्च करते थे, अब हम बिजली का उत्पादन भी कर रहे हैं। यह योजना हमारे लिए सचमुच वरदान साबित हुई है। उन्होंने बताया कि अब उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है। इस बची हुए राशि को वे अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और अन्य घरेलू आवश्यकताओं में खर्च कर पा रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के रूप में सौर ऊर्जा के उपयोग से कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे सीमित संसाधनों पर निर्भरता कम होती साथ ही प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्री गिरधर देवांगन ने नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेकर बिजली खर्च में बचत करने और देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने की अपील की है।

आदिम जाति विकास मंत्री ने आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर निर्माणाधीन संग्रहालय-सह स्मारक के निर्माण कार्यों का किया

जंगल सत्याग्रह और झंडा सत्याग्रह के दृश्य भी होगा जीवंत

राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे संग्रहालय का उद्घाटन

आदिवासी गौरव, शौर्य एवं बलिदान का प्रतीक होगा संग्रहालयः मंत्री श्री नेताम

रायपुर । आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने आज नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय-सह स्मारक के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। मंत्री नेताम ने इस अवसर पर कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की परिकल्पना का परिणाम है कि जल्द ही छत्तीसगढ़ में जनजातीय वर्गों के ऐतिहासिक गौरव गाथा, शौर्य और बलिदान का प्रतीक संग्रहालय-सह स्मारक धरातल पर दिखाई देगा। यह निर्माणाधीन संग्रहालय सदियों के लिए नई पीढ़ियों को पुरखों की याद दिलाता रहेगा। यह न सिर्फ आदिवासी वर्गों के लिए बल्कि देश-विदेश के लोगों के लिए भी प्रेरणास्पद होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का यह पहला संग्रहालय है, जो कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उच्च शौर्य एवं बलिदान को समर्पित है अतः इसके निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मंत्री नेताम ने संग्रहालय के उद्घाटन के मद्देनजर सभी आवश्यक तैयारियां व निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में सुशासन और सभी वर्गों की बेहतरी के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राज्य के जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से कई अभिनव योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे जनजातीय वर्ग के जीवन स्तर में तेजी से बदलाव आ रहा है।

मंत्री नेताम ने इस मौके पर संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, दिव्यांगजनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति का भी निरीक्षण किया। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि संग्रहालय का लोकार्पण देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राज्योत्सव के समय किया जाना है। संग्रहालय के निर्माण कार्यों में लगने वाली मूर्तियां, कैनवास वर्क, डिजिटल वर्क का बारीकी के साथ परीक्षण किया जा रहा है। संग्रहालय का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुके हैं। मूर्तियों की स्थापना, लाईट, बिजली आदि का टेस्टिंग कार्य जारी है। प्रमुख सचिव बोरा ने इस मौके पर संग्रहालय में प्रवेश से पूर्ण टिकट काउंटर पर लगे स्कैनिंग कार्य तथा प्रवेश द्वार में कुछ सुधार करने के संबंध में निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी विकास निगम के संचालक डॉ. जगदीश सोनकर, आदिम जाति विकास विभाग संयुक्त सचिव बीएस राजपूत, टीआरटीआई संचालक हिना अनिमेष नेताम, उपायुक्त गायत्री नेताम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी, ठेकेदार, क्यूरेटर, इंजीनियर्स, आर्ट कलाकार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। वीएफएक्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क से तैयार हो रहा है जीवंत संग्रहालय संग्रहालय निर्माण में लगे क्यूरेटर प्रबल घोष ने बताया कि यह संग्रहालय-सह स्मारक आदिवासियों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बारीकी के साथ अध्ययन व रिसर्च के बाद वीएफएक्स टेक्नोलॉजी और प्रोजेक्शन वर्क के साथ तैयार किया रहा है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय देखने वाले आगंतुकों को आदिवासी विद्रोह का वर्णन स्टैच्यू के पास ही लगे डिजिटल बोर्ड पर उपलब्ध रहेगा। आगंतुक संग्रहालय में आदिवासी विद्रोह को जीवंत महसूस कर सकेगा। वहीं आगंतुक प्रत्येक गैलरी में बनाई गई जीवंत झांकी के सामने स्कैनर लगाए गए स्कैनर से मोबाईल द्वारा स्कैन कर संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है।

शांतिभंग करने वाले बदमाश पर की गई कार्यवाही

राजनांदगांव । पुलिस अधीक्षक महोदय मोहित गर्ग के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय श्रीमती वैशाली जैन (भापुसे) के पर्यवेक्षण में क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे सतत अभियान के तारतम्य मे चौकी चिखली मे प्राप्त शिकायत आवेदन पत्रों एवं वाद विवाद की सूचना के आधार पर आज दिनांक 03 अक्टुबर 2025 को पुलिस का मुखबीरी करते हो कहकर एवं दर्ज अपराध मे जमानत मुचलका पर छोड़ने पर गवाहो के साथ वाद विवाद कर झगड़ा विवाद कर शांति भंग करने एवं संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण संभावना पर बदमाश 01. मुकेश जंघेल पिता शिवप्रसाद जंघेल उम्र 38 साल साकिन मोतीपुर चौकी चिखली, 02. अरविंद वर्मा पिता भागवत राम वर्मा उम्र 40 साल साकिन चिखली बिहारी चाल वार्ड नं. 06 चौकी चिखली जिला राजनांदगांव को गिरफ्तार कर पृथक-पृथक से धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर माननीय न्यायालय राजनांदगांव पेश किया गया । टीपः- क्षेत्र मे कानून शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु अवैध गांजा, शराब बिक्री व असामाजिक तत्व, गुण्डा बदमाष, और सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वालो के विरूद्ध अभियान कार्यवाही लगातार जारी रहेगी ।

बीजापुर में 103 नक्सलियों ने छोड़ा हिंसा का रास्ता

रायपुर । धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक विजयादशमी का पर्व इस बार छत्तीसगढ़ में हिंसा और भ्रम पर विकास और सुशासन की ऐतिहासिक विजय का भी प्रतीक बन गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर में 103 नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर सुरक्षा बलों को बधाई देते हुए कहा कि यह कदम प्रदेश के शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य की दिशा में एक निर्णायक पड़ाव है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 और नियद नेल्ला नार योजना ने लाल आतंक के भ्रम से भटके लोगों के दिलों में विश्वास और आशा का दीप प्रज्वलित किया है। पूना मारगेम अभियान से प्रेरित होकर बीजापुर में कुल 103 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें से 49 नक्सली वे भी हैं, जिन पर कुल 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपए तक का इनाम घोषित था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को नई शुरुआत के लिए 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है। साथ ही, नक्सल उन्मूलन नीति के अंतर्गत उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने और समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का अवसर दिया जा रहा है। अब तक 1890 से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जो सरकार की नीतियों की प्रभावशीलता और जनता के विश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन किया जाएगा और आत्मसमर्पित लोगों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं उज्ज्वल भविष्य दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल बस्तर की धरती तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के शांतिपूर्ण, समृद्ध और विकसित भविष्य की ओर एक सशक्त कदम है।

जशपुर के अंकिरा और भगोरा में बिजली आपूर्ति बहाल : ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार

जशपुर के अंकिरा और भगोरा में बिजली आपूर्ति बहाल : ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति जताया आभार

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में संचालित सीएम कैंप कार्यालय, बगिया ने एक बार फिर अपनी त्वरित पहल से आमजन का विश्वास अर्जित किया है। विकासखंड फरसाबहार के ग्राम अंकिरा और भगोरा के ग्रामीणों ने बिजली ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या का त्वरित निदान सीएम कैंप कार्यालय बगिया की पहल पर हुआ है। उक्त दोनों गांव में विद्युत आपूर्ति बहाल हो गयी है। कैंप कार्यालय ने उक्त दोनों गांव में ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित होने की शिकायत प्राप्त होते ही विद्युत विभाग के अधिकारियों को उक्त समस्या के निदान के निर्देश दिए थे। कैंप कार्यालय के त्वरित पहल से समस्या के समाधान से प्रसन्न ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।सीएम कैंप कार्यालय, बगिया आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण का भरोसेमंद केंद्र बन चुका है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं के समाधान के लिए यहां पहुँचते हैं। बिजली, सड़क, पेयजल या विकास कार्यों से जुड़ी समस्याओं पर कार्यालय द्वारा गंभीरता से संज्ञान लिया जाता है और तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है। जनसमस्याओं को लेकर सीएम कैंप कार्यालय की सक्रिय पहल से ग्रामीणों में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास को और मजबूत हुआ है। सीएम कैंप कार्यालय की बदौलत आमजन में यह विश्वास जगा है कि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान होगा। मुख्यमंत्री साय ने

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयंती पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग से देश की आज़ादी के आंदोलन को नई दिशा दी। गांधी जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि दृढ़ निष्ठा और सत्याग्रह के मार्ग से कठिन परिस्थितियों का सामना किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज भी गांधी जी के विचार समाज को एक बेहतर दिशा देने में उपयोगी हैं और हम सबको उनसे प्रेरणा मिलती है।

लाखों रूपये कीमत के डीजल/पेट्रोल का अवैध रूप से संग्रहण करने वाले आधा दर्जन से अधिक आरोपी गिरफ्तार

दोनों प्रकरण में कुल 09 आरोपियों को किया गया है गिरफ्तार।

रायपुर । बुधवार को सूचना प्राप्त हुई कि थाना विधानसभा क्षेत्रांतर्गत रिंग रोड नंबर 03 टेकारी चौक स्थित एक यार्ड में कुछ व्यक्ति ट्रक एवं ड्रम में ज्वलनशील तरल पदार्थ डीजल एवं पेट्रोल को अवैध रूप से संग्रह कर बिक्री हेतु रखें है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में रेंज साइबर थाना रायपुर एवं थाना विधानसभा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर रेड कार्यवाही किया गया। रेड कार्यवाही के दौरान यार्ड में 05 व्यक्ति उपस्थित पाये गये, जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम रवि यादव, नीरज नेताम उर्फदउवाराम, शेख कलीमुद्दीन, शैलेन्द्र कुमार उर्फबिहारी एवं राज पटेल होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा यार्ड को चेक करने पर टैंकर वाहन में डीजल/पेट्रोल भरा होने के साथ ही अलग - अलग ड्रम में भी डीजल/पेट्रोल रखा होना पाया गया। ज्वलनशील तरल पदार्थ को उपेक्षापूर्ण संग्रह कर रखने एवं विक्रय करने के संबंध में व्यक्तियों से लायसेंस या वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने कहने पर उनके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी रवि यादव, नीरज नेताम उर्फदउवाराम, शेख कलीमुद्दीन, शैलेन्द्र कुमार उर्फबिहारी एवं राज पटेल को गिरफ्तार कर निशानदेही पर कब्जे से ट्रक टैंकर तथा अलग - अलग ड्रम में रखें कुल 15,300 लीटर पेट्रोल तथा 31,000 लीटर डीजल जुमला कीमती लगभग 42,90,000/- रूपये तथा घटना में प्रयुक्त ट्रक टैंकर क्रमांक सी जी 10 ए एफ 0113, सी जी 04 पी आर 7421 एवं सी जी 04 पी टी 8504, एक नग चाडी एवं 02 नग प्लास्टिक पाईप जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध थाना विधानसभा में अपराध क्रमांक 492/25 धारा 287 बी.एन.एस तथा 3, 7 आवश्यक वस्तु अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया। इसी प्रकार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में रेंज साइबर थाना रायपुर तथा थाना विधानसभा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना विधानसभा क्षेत्रांतर्गत रिंग रोड नंबर 03 पिरदा चौक स्थित सूरज शाह के यार्ड में रेड कार्यवाही कर आरोपी अखिलेश चौबे, नीरज कुमार, अरविंद गोड एवं रोहित सरोज को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर कब्जे से अवैध रूप से संग्रह कर बिक्री करने हेतु रखें कुल 1,500 लीटर डीजल तथा 40 लीटर पेट्रोल कीमती लगभग 1,40,000/- रूपये तथा घटना में प्रयुक्त ट्रक टैंकर क्रमांक सी जी 10 बी यू 2417, 01 नग चाडी एवं 02 नग प्लास्टिक पाईप जप्त कर।

घुपसाल मे डोम निर्माण कार्य के लिए विधायक ने 4 लाख की दिलाई स्वीकृति

राजनांदगांव । ग्रामीण साहू समाज घुपसाल ने जताया विधायक भोलाराम साहू का आभार। ग्राम घुपसाल (कुमरदा) में विधायक श्री भोला राम साहू जी द्वारा साहू सामुदायिक भवन के पास डोम निर्माण हेतु 4 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसके लिए ग्रामीण साहू समाज घुपसाल के अध्यक्ष केशव साहू, उपाध्यक्ष कोमलसिंह साहू, सचिव डोमेश्वर साहू, वीरेन्द्र कुमार साहू, उपकोषाध्यक्ष खिलावन साहू, कोषाध्यक्ष लोमस दास साहू, टीकम दास साहू,, मुकेश साहू,जवाहर साहू गोरेलाल साहू, सेवक राम साहू, फ्रणेश्वर साहू, नागेश साहू ने विधायक श्री साहू जी का विशेष आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया , आगे समाज के मीडिया प्रभारी मुकेश साहू ने बताया कि इस डोम की मांग लम्बे समय से चल रहा था जिसे विधायक महोदय ने सहर्ष स्वीकार कर स्वीकृति प्रदान किया जो कि हमारे सामाजिक व समस्त ग्रामवासियों के लिए शादी ब्याह एवं विभिन्न कार्यक्रमों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा !

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)